बापू की बातें

मैंने खेड़ा में महायुद्ध के समय सिपाहियों की भरती करने का भारी प्रयत्न किया था। मैंने उस समय कहा था कि ब्रिटिश हुकूमत ने जो अनेक जघन्य कृत्य किये हैं उनमें उसका एक सबसे जघन्य कृत्य यह है कि उसने यहाँ की जनता को निशस्त्र करके निर्वीर्य बना दिया है। आज भी मेरा वही दृष्टिकोण है। जिस किसी के मन में भय हो वह यदि निशस्त्र रहकर अपने भय को दूर नहीं कर सकता तो वह अवश्य लाठी या उससे भी अधिक प्रभावकारी शस्त्र का अवलम्बन करे।

(09.08.1925 : नवजीवन में प्रकाशित लेख 'अहिंसा की समस्या' का अंश : सं.गां.वां. खंड 28 : पृष्ठ 52)

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

# क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-178 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 22 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना


## बिना वकालत के अनुभव के भी बन सकेंगे सिविल जज! सुप्रीम कोर्ट ने दी 2027 तक बड़ी राहत



नई दिल्ली,(आरएनएस)। न्यायिक सेवा यानी सिविल जजों की भर्ती के नियमों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने मई 2025 के अपने उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें सिविल जज बनने के लिए वकील के रूप में व्यावहारिक अनुभव को जरूरी माना गया था। हालांकि, अदालत ने अनुभव की अनिवार्य अवधि को तीन साल से घटाकर एक साल कर दिया है। यह फैसला भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कई पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनाया। मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) की परीक्षा में शामिल होने के लिए उम्मीदवार के पास वकील के रूप में कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। अब अदालत ने इस अवधि को घटाकर एक वर्ष कर दिया है। यानी सामान्य स्थिति में न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए एक वर्ष की वकालत का अनुभव पर्याप्त होगा। पीठ ने अपने पिछले फैसले के मूल सिद्धांत को बरकरार रखते हुए केवल अनुभव की अनिवार्य अवधि में बदलाव किया है। सुप्रीम कोर्ट ने उन अभ्यर्थियों को विशेष राहत दी है, जो मई 2025 के फैसले के बाद न्यायिक सेवा परीक्षा की तैयारी और भर्ती प्रक्रिया के संक्रमणकाल से गुजर रहे हैं। अदालत ने कहा कि 20 मई 2025 के फैसले की तारीख से लेकर 31 मार्च 2027 तक परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों पर वकालत के अनुभव की शर्त लागू नहीं होगी। इसका मतलब है कि इस अवधि में बिना वकालत के अनुभव वाले उम्मीदवार भी परीक्षा में शामिल होकर चयनित हो सकते हैं। हालांकि, ऐसे चयनित उम्मीदवारों के लिए अदालत ने प्रशिक्षण की अतिरिक्त व्यवस्था तय की है।जिन उम्मीदवारों का चयन बिना वकालत के अनुभव के होगा, उन्हें पहले एक वर्ष तक प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी के रूप में काम करना होगा। इसके बाद उन्हें एक वर्ष की व्यवस्थित प्रशिक्षण अवधि पूरी करनी होगी, जिसमें न्यायिक कार्यप्रणाली को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर मिलेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिना वकालत के अनुभव के न्यायिक सेवा में आने वाले उम्मीदवारों को न्यायिक कार्य का पर्याप्त व्यावहारिक प्रशिक्षण मिल सके। न्यायिक सेवा परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को राज्य न्यायिक अकादमी में एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

### समुद्री लुटेरों ने अगवा किए 2 कमर्शियल जहाज, 22 भारतीय बंधक; सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप

नई दिल्ली (ए.)। समंदर के रास्तों पर एक बार फिर समुद्री लुटेरों का खौफ मंडराने लगा है। यमन और सोमालिया के समुद्री तटों के पास से एक बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां हथियारों से लैस समुद्री लुटेरों ने दो अलग-अलग वारदातों में दो बड़े कमर्शियल जहाजों को हाईजैक कर लिया है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अगवा किए गए इन दोनों जहाजों पर कुल 22 भारतीय नागरिक सवार हैं, जिसके बाद से ही प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की धड़कनें तेज हो गई हैं। यमन के पास तेल टैंकर 'एमटी सिबु 1' पर लुटेरों का कब्जाशिपिंग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को इस खौफनाक वारदात की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पहली घटना 20 अगस्त को अदन की खाड़ी में घटी। यमन के तट से करीब 30 समुद्री मील की दूरी पर हथियारों से लैस खतरनाक लुटेरों ने इरिट्रिया के झंडे वाले तेल उत्पाद टैंकर 'एमटी सिबु 1' (MT Sibu v) पर अचानक धावा बोल दिया और उसे अपने कब्जे में ले लिया।




केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल की 12वीं बटालियन, 19वीं बटालियन और जलपाईगुड़ी स्थित ट्रांजिट कैंप के लिए आवासीय और गैर-आवासीय निर्माण कार्यों की आधारशिला रखने के समारोह के दौरान।

### सुप्रीम कोर्ट ने सुखबीर सिंह बादल की याचिका खारिज की, आपराधिक मानहानि की कार्यवाही पर रोक से इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को बड़ा झटका देते हुए उनके खिलाफ चल रही आपराधिक मानहानि की कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। बादल ने अपने खिलाफ दर्ज मानहानि की शिकायत को चुनौती देते हुए कार्यवाही समाप्त करने की मांग की थी।

यह मामला 'अखंड कीर्तनी जत्था' को प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' से कथित तौर पर जोड़ने संबंधी आरोपों से जुड़ा है।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने की। बादल की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने संबंधित व्यक्ति को कभी भी अखंड कीर्तनी जत्था का प्रवक्ता नहीं बताया था और इसलिए उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही आगे नहीं बढ़नी चाहिए।

## जिद के आगे झुकी पुलिस, पैलेट गन केस में FIR दर्ज; नेता विपक्ष बोले- 'न्याय का पहला कदम'

नई दिल्ली(ए.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संसद मार्ग थाने के बाहर करीब आठ घंटे तक धरने पर बैठने के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्र साहिल लोचब की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। एफआईआर दर्ज होने के बाद साहिल लोचब ने राहुल गांधी का आभार जताते हुए कहा कि पिछले एक महीने से उनकी टीम लगातार उनके संपर्क में थी और राहुल गांधी स्वयं भी उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते रहे। एफआईआर में साहिल लोचब ने आरोप लगाया है कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक निकाले जा रहे छात्र मार्च के दौरान उन पर धातु के पैलेट दागे गए, जिससे उनकी दाहिनी आंख की रोशनी चली गई और शरीर के कई हिस्सों में सैकड़ों छर्रे लगे। शिकायत के अनुसार, 20 वर्षीय साहिल लोचब दिल्ली के नजफगढ़ स्थित अग्रवाल कॉलोनी के निवासी हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के छात्र हैं। उन्होंने शिकायत में कहा है कि उनके पिता दिव्यांग हैं और वह परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। उन्होंने यह भी लिखा है कि उनके खिलाफ कभी कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ।एफआईआर के मुताबिक, 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा 2025 तथा नीट पेपर लीक के विरोध में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान संसद की ओर मार्च निकाला जा रहा था। साहिल का कहना है कि लाठीचार्ज और भगदड़ के बीच वह पालिका, कनॉट प्लेस क्षेत्र तक पहुंच गए थे और उनके हाथ में तिरंगा झंडा था।शिकायत में कहा गया है कि उसी दौरान आंसू गैस और लाठीचार्ज हुआ। इसी बीच उनका चेहरा दूसरी दिशा में था, तभी उन्हें दाहिनी छाती, बाजू और आंख पर तेज धमाके जैसा महसूस हुआ।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ में की नागरिकों और लघु व्यवसायियों से चर्चा

### दुकान पर रूक कर पारम्परिक लस्सी का लिया स्वाद

भोपाल (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टीकमगढ़ में नागरिकों और स्थानीय लघु व्यवसायियों से भेंट कर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय बाजार में एक लस्सी की दुकान पर पहुंचकर पारम्परिक लस्सी का स्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुकान मालिक से आत्मीयतापूर्वक बातचीत भी की। उन्होंने बुंदेलखंड अंचल की समृद्ध खानपान परम्परा की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन के समय लस्सी की दुकान पर मौजूद नागरिकों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय लोगों से आत्मीयतापूर्वक सहज संवाद किया। उन्होंने टीकमगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल देते हुए इस कार्य में जनसहयोग की भी अपेक्षा की।

### मणिपुर के मोरेह में भारत-म्यांमार सीमा पर हथियारों और गोला-बारुद का जखीरा बरामद

तेजपुर,(आरएनएस)। मोरेह पुलिस स्टेशन और 36 असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम ने 20 अगस्त को मणिपुर के मोरेह इलाके में भारत-म्यांमार सीमा पर एक ऑपरेशन के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का छिपा हुआ जखीरा बरामद किया. पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

विशिष्ट इनपुट पर कार्रवाई करते हुए संयुक्त टीम ने बॉर्डर पिलर (बीपी) 73 के सामान्य क्षेत्र में एक ऑपरेशन शुरू किया. जंगली इलाके की तलाशी के दौरान सुरक्षा कर्मियों ने छुपाए गए कैश का पता लगाया और उसे बरामद किया. बरामद हथियारों में मैगजीन के साथ एक ए15 राइफल, मैगजीन के साथ एक एमए जी3 राइफल, एक देसी पिस्तौल, छह सिंगल-बैरल बंदूकें, दो देसी राइफलें और एक .22 राइफल शामिल है।

### 28 अगस्त को लगेगा आंशिक चंद्र ग्रहण, भारत में दिन के समय होने से नहीं आएगा नजर

नई दिल्ली (आरएनएस)। खगोलीय घटनाओं में रुचि रखने वालों के लिए अगस्त का महीना खास है। 28 अगस्त को वर्ष 2026 का दूसरा चंद्र ग्रहण होने जा रहा है। यह आंशिक चंद्र ग्रहण होगा और सामान्य आंशिक ग्रहण की तुलना में इसका प्रभाव काफी गहरा दिखाई देगा। हालांकि, भारत में यह ग्रहण दिन के समय होने के कारण लोगों को आसमान में इसका नजारा देखने का अवसर नहीं मिलेगा। इस आंशिक चंद्र ग्रहण के चरम पर चंद्रमा का करीब 93 प्रतिशत व्यास पृथ्वी की गहरी छाया में चला जाएगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार, चंद्रमा की सतह का लगभग 96 प्रतिशत हिस्सा धुंधला दिखाई देगा।

### मुंबई के कुर्ला इलाके में क्रेन गिरने से बड़ा हादसा, 8 लोग घायल, सभी की हालत स्थिर



मुंबई (आरएनएस)। कुर्ला इलाके में आज तड़के महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण की बिल्डिंग के पास झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाके में क्रेन गिरने से आठ लोग घायल हो गए. घायलों में से छह को सायन अस्पताल में और दो को कुर्ला भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया. हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गयी। मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने बताया है कि सायन अस्पताल में भर्ती सभी छह मरीजों की हालत स्थिर है। कुर्ला भाभा अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की हालत भी स्थिर है. शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि यह हादसा आज, 21 अगस्त को सुबह 3:04 बजे हुआ। बीएमसी के मुंबई फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। यह घटना कुर्ला ईस्ट के इंदिरा नगर इलाके में गैलेक्सी अपार्टमेंट के पीछे स्थित बंटारा भवन और एमएचएडीए बिल्डिंग के पास हुई।

### पद्मश्री विजेता अभिनेत्री सौकार जानकी का निधन, अस्पताल में ली अपनी आखिरी सांस

चेन्नई, (आरएनएस)। दक्षिण भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री और पद्मश्री विजेता सौकार जानकी का निधन हो गया है। उन्हें वृद्धावस्था संबंधी बीमारी के कारण चेन्नई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां आईसीयू में उनका इलाज जारी था। यह जानकारी अभिनेता कायल देवराज ने सोशल मीडिया पर दी थी। नादिगर संगम के अध्यक्ष एम नासिर ने ताजा अपडेट देते हुए अभिनेत्री के निधन की पुष्टि की है। इसके बाद से फिल्म जगत और फैंस जानकी को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नासिर ने एक बयान के माध्यम से बताया कि दिग्गज अभिनेत्री का 21 अगस्त को 94 वर्ष की उम्र में अस्पताल में भर्ती होने के बाद दोपहर 1:59 बजे निधन हो गया।

## कलेक्टर एवं एसपी ने लिया सांदीपनि विद्यालय माखननगर में व्यवस्थाओं का जायजा

**बारिश से सीपेज की समस्या पर निर्माण विभाग पूरी बिल्डिंग की जांच एवं सुधार कार्य करे : कलेक्टर सोमेश मिश्रा**

**बच्चों के भोजन की गुणवत्ता परखी, किचन-वॉश एरिया में स्वच्छता और सुविधाएं बढ़ाने के दिए निर्देश**



कक्षा में शिक्षक की भूमिका में नजर आए कलेक्टर

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं, भवन, स्वच्छता, भोजन व्यवस्था एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने विद्यालय के पूरे परिसर का भ्रमण कर विभिन्न कक्षों एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय के सभी कक्षों में साफ-सफाई व्यवस्था निर्माण विभाग द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाए। विद्यालय परिसर में आवश्यक सुधारात्मक कार्य भी शीघ्र पूर्ण किए जाएं।निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर बारिश के पानी के कारण सीपेज की समस्या पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण एजेंसी को पूरी बिल्डिंग की जांच कर आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विद्यालय भवन को हैंडओवर करने से पहले सीपेज सहित सभी निर्माण संबंधी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने विद्यालय में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का भी जायजा लिया। उन्होंने स्वयं थाली में भोजन लेकर उसका स्वाद चखा और संबंधितों को निर्देश दिए कि बच्चों के भोजन में मिर्च-मसालों का उपयोग निर्धारित मात्रा से अधिक न हो। उन्होंने कहा कि बच्चों को पौष्टिक, संतुलित एवं स्वस्थ भोजन उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने किचन एरिया एवं वॉश एरिया में बड़े एग्जॉस्ट फैन लगाने के निर्देश दिए, ताकि पर्याप्त वेंटिलेशन बना रहे। साथ ही वॉश एरिया में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने विद्यालय में छोटे बच्चों से आत्मीयता एवं वात्सल्य भाव से संवाद किया। उन्होंने बच्चों से किताबों एवं पढ़ाई से संबंधित सवाल पूछे और उनके उत्तर सुनकर प्रसन्नता व्यक्त की। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने टॉफी एवं किताबें भी भेंट कीं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा एक शिक्षक की भूमिका में भी नजर आए।


दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

# उद्यमियों के व्यापार-उद्योगों को प्रोत्साहन राज्य सरकार की प्राथमिकता

## होम स्टे, होटल और इंडस्ट्रियल पार्क बनायें, सब्सिडी का लाभ उठायें

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है सरकार औद्योगिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है। टीकमगढ़ जिले में औद्योगिक विकास के लिए संसाधनों की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें अवसर में बदलने की है। उन्होंने कहा स्थानीय उद्यमियों के व्यापार और उद्योगों को प्रोत्साहन देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज टीकमगढ़ में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत उद्यमियों से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा सरकार औद्योगिक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा अधोसंरचना विकास सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा झांसी, जतारा, टीकमगढ़ कनेक्टिविटी बेहतर होने से अन्य प्रदेशों से भी जुड़ सकेगा। होटल, होमस्टे बनाएं, इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित करें, राज्य सरकार इसके लिये सब्सिडी भी प्रदान कर रही है। इसका लाभ जरूर उठाएं। उन्होंने कहा जिले में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, महाकाल लोक की तर्ज पर कुंडेश्वर धाम का विकास कराया जायेगा। पर्यटन विभाग के अधिकारियों की टीम यहां शीघ्र भेजी जाएगी। कुंडेश्वर के आसपास होमस्टे बनाएं, इससे जहां तीर्थ यात्रियों को सुविधा होगी, वही लोग लोगों को आय का जरिया मिल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ जिले के धरमपुर की प्रसिद्ध पारंपरिक बेल मेटल पीतल शिल्प कला के संबंध में एक करोड़ 99 लाख की योजना प्रस्तावित होने की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा टीकमगढ़ की पारंपरिक बेल मेटल शिल्प कला को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा जाए, बल्कि आधुनिक अधोसंरचना, कारीगर सशक्तिकरण रोजगार और बाजार विस्तार से जोड़े। ज्ञातव्य है कि पीतल शिल्प कला की दिशा में धरमपुरा में लगभग 6.99 हेक्टर भूमि एमएसएमई विभाग के हस्तांतरित हो चुकी है।

उद्यमियों ने दिये सुझाव

इस अवसर पर उद्यमी गौरव जैन ने कहा बुंदेलखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं उन्होंने कहा ओरछा, खजुराहो, टीकमगढ़ को तीन प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर एक एंट्री गेट टूरिस्ट सर्किट बनाया जाए और टीकमगढ़ को धार्मिक टूरिज्म के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। महाकाल की तर्ज पर कुंडेश्वर लोक के रूप में विकसित किया जाये। साथ ही टीकमगढ़ का किला मोहनगढ़ और बल्देवगढ़ के किले के विकास की बात कही।उद्यमी राजेश साहू ने कहा कि उनकी मूंगफली प्रसंस्करण यूनिट चल रही है

उनका कार्य अच्छा चल रहा है 4 करोड रुपए की सब्सिडी सरकार से मिल गई है। सृष्टि मिश्रा जो स्वस्तिक मसाला विनिर्माण इकाई संचालित कर रही हैं ने कहा अच्छा काम चल रहा है उन्होंने कहा सरकार से चार लाख की सब्सिडी मिली है। राज परमार ने कहा हमें विभाग का अच्छा सहयोग मिल रहा है विभागों से कोई दिक्कत नहीं है। जतारा में यूनिट प्रारंभ करना है हाईवे से कनेक्ट करने की मांग पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर से कहा सड़क की मांग पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनकी यूनिट में 500 लोगों को रोजगार मिल रहा है उद्यमी सुनीता राज बुंदेला ने बीज उत्पादन का काम कर रही कहा काम अच्छा चल रहा है। साथ ही शहद का उत्पादन भी किसानों की माध्यम से किया जा रहा है, जिससे एक किसान को औसतन 50 हजार रुपए का लाभ मिल रहा है। उन्होंने ऑयल मिल शुरू करने की योजना पर बात रखी।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह का एम. पी. स्टेट एग्रो कॉर्पोरेशन कर्मचारी संघ द्वारा स्वागत किया गया।

# 'विकसित मध्यप्रदेश' के संकल्प के साथ बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई में निवेश प्रोत्साहन आउटरीच कार्यक्रम

### जीसीसी, स्पेस-टेक, एवीजीसी-एक्सआर और ड्रोन विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर हुई चर्चा



भोपाल (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत @ 2047' के विजन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को तकनीक एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 19 से 21 अगस्त तक बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई में तीन दिवसीय निवेश प्रोत्साहन आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC), स्पेस-टेक, एवीजीसी-एक्सआर और ड्रोन विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों एवं विशेषज्ञों के साथ निवेश और साझेदारी की संभावनाओं पर चर्चा हुई। अभियान के पहले दिन 19 अगस्त को प्रतिनिधिमंडल ने जीसीसी परामर्श संस्था ANSR के केंद्र का भ्रमण किया। इस दौरान '90 दिनों में जीसीसी' मॉडल का अध्ययन किया गया। मॉडल में इकाई की स्थापना, लीज, वैधानिक पंजीकरण, जीएसटी और प्रतिभाओं की भर्ती जैसी प्रक्रियाओं को समानांतर रूप से पूरा किया जाता है। ANSR ने इंदौर में नई सुविधा स्थापित करने में रुचि व्यक्त की है। प्रस्तावित इकाई की शुरुआत किराए के परिसर से करने की योजना है। 'टियर-2 मध्यप्रदेश में जीसीसी पारिस्थितिकी तंत्र का उद्भव' विषय पर आयोजित राउंडटेबल में इंदौर और भोपाल की प्रतिभा एवं शैक्षणिक क्षमता को जीसीसी विस्तार के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। विशेषज्ञों ने मध्यप्रदेश को बेंगलुरु के 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल के तहत पूरक केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। क्लेस कॉर्प और कारगिल सहित उद्योग प्रतिनिधियों ने फिनिशिंग स्कूल, उद्योग संगठनों के साथ सहयोग, त्वरित शासकीय स्वीकृतियों, जीसीसी नीति, वित्तीय प्रोत्साहन और एआई आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के सुझाव दिए।

# मध्यप्रदेश की जेलों में मानसिक रुप से बीमार एवं तनावग्रस्त बंदियों के मानसिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

### मास्टर ट्रेनर्स तैयार कर प्रदेश की जेलों में विकसित किया जाएगा साइको-सोशल काउंसलिंग का सुदृढ़ तंत्र

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश की जेलों में निरुद्ध मानसिक रूप से बीमार एवं तनावग्रस्त बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य और सुधार की दिशा में जेल विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जेल महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर की विशेष पहल एवं मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश जेल विभाग और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय



(RRU), गांधीनगर, गुजरात के बीच साइको-सोशल काउंसलिंग के क्षेत्र में सहयोग के लिए ज्ञापन समझौता (MOU) पर हस्ताक्षर किए गए। जेल मुख्यालय, भोपाल में आयोजित M O हस्ताक्षर कार्यक्रम में विशेष महानिदेशक जी. अखेतो सेमा, उप महानिरीक्षक (कल्याण) एम.आर. पटेल, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात की ओर से डॉ. नूरिन चौधरी (एक्टिंग डायरेक्टर), डॉ. गीतेश कुमार सिंह (प्रोजेक्ट डायरेक्टर), प्रदीप रूसिया (असिस्टेंट डायरेक्टर), सुश्री तनु पी. चंदेल, शुभम जैन सहित जेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।जेल महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर ने प्रदेश की जेलों में बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक सुधार को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित साइको-सोशल काउंसलिंग योजना का अध्ययन किया। इसके बाद RRU के विषय विशेषज्ञों को क्षेत्रीय जेल प्रबंधन एवं शोध संस्थान, भोपाल आमंत्रित कर 06 जुलाई से 12 जुलाई तक सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

# किशोर हत्याकांड में आरोपी आमिर के घर पहुंची पुलिस,हत्या के समय पहने कपड़ों की तलाश; छोटे तालाब में प्राइवेट पार्ट फेंके थे

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के छोटे तालाब के धोबीघाट के पास किशोर की हत्या के मामले में पुलिस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। शुक्रवार को पुलिस आरोपी आमिर कुरैशी को लेकर उसके घर पहुंची। एसीपी कोतवाली संतोष पटेल सहित जांच टीम के अधिकारी और पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद हैं।

पुलिस घर की सर्चिंग कर रही है। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद आमिर सीधे घर पहुंचा था और यहां नहाने के बाद उसने कपड़े बदले थे। पुलिस इन्हीं कपड़ों की तलाश और जब्ती के लिए उसे घर लेकर पहुंची है। पुलिस के मुताबिक, वारदात के दौरान आरोपियों ने किशोर की हत्या के बाद उसके प्राइवेट पार्ट निकालने की कोशिश की थी। ऐसे में पुलिस हत्या के समय पहने गए कपड़ों को महत्वपूर्ण साक्ष्य मानकर तलाश रही है। टीम यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने कपड़ों को धोने, साफ करने या छिपाने का प्रयास तो नहीं किया।

गुरुवार को क्राइम सीन रीक्रिएट किया था गुरुवार को शामला हिल्स और तलैया थाना पुलिस की टीम आरोपियों को लेकर धोबीघाट पहुंची थी। पुलिस ने उनसे



घटनाक्रम दोहरवाया और पूछा कि हत्या के बाद शव से अंग निकालकर उन्हें किस रास्ते से ले जाया गया और तालाब में किस जगह फेंका गया। आरोपियों के बताए स्थान पर पुलिस ने किशोर के प्राइवेट पार्ट की तलाश की थी। इससे पहले भी पुलिस तालाब में गोताखोरों की मदद से सर्चिंग कर चुकी है, लेकिन अब तक अंग बरामद नहीं हुए हैं।

अंडकोष काटने के मामले में पुलिस गुरुवार को आरोपियों को छोटे तालाब लेकर पहुंची थी। पुलिस की मुताबिक, मामले में आमिर कुरैशी (18) और जोहेब खान (20) को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन विधि-विरुद्ध बालकों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, जोहेब ने करीब एक महीने पहले एक विधि-विरुद्ध बालक से दोस्ती की थी। उसने खुद को मेडिकल की पढ़ाई करने वाला बताया और एप्रन व आला पहनकर उससे मिलता था। पुलिस का दावा है कि जोहेब ने आमिर और नाबालिगों को मोबाइल पर एक वीडियो दिखाया था, जिसमें बेहोश व्यक्ति के प्राइवेट पार्ट निकालने का तरीका बताया जा रहा था। इसके बाद करीब 1.20 करोड़ रुपए में प्राइवेट पार्ट बेचने का लालच दिया गया और 15-16 साल के लड़के की तलाश करने को कहा गया। 6 अगस्त को दो विधि-विरुद्ध बालक इकबाल मैदान पहुंचे, जहां किशोर पेन और चाबी के छल्ले बेचता था। उसे लड़ाई के लिए साथ चलने और बदले में 100 रुपए देने का लालच दिया गया। रास्ते में रेतघाट के पास आमिर और दो अन्य नाबालिग भी उनके साथ हो गए। चारों किशोर को गिन्नौरी और किलोल पार्क होते हुए छोटे तालाब के धोबीघाट ले गए। पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद आमिर ने जोहेब को फोन किया। जोहेब मौके पर नहीं आया और पहले दिखाए वीडियो के अनुसार कार्रवाई करने को कहा। इसके बाद शव से दोनों प्राइवेट पार्ट निकालकर प्लास्टिक की थैली में रखे गए। बाद में उन्हें बेचने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः आरोपियों ने उन्हें छोटे तालाब में फेंक दिया।

# भोपाल में एसआई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, नहाने के बाद बेड पर अचेत मिले

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के स्टेशन बजरिया थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर (एसआई) की शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह सुबह नहाने के बाद अपने कमरे में बेड पर लेटे थे। कुछ देर बाद पत्नी ने उन्हें अचेत अवस्था में देखा। परिजन



तत्काल उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक, 58 वर्षीय राकेश मिश्रा पुत्र राममूर्ति मिश्रा शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे उठे और नहाने के बाद अपने कमरे में आकर बेड पर लेट गए। पत्नी उनके पास चाय रखकर कुछ देर के लिए दूसरे काम में चली गईं। वापस कमरे में पहुंचने पर उन्होंने राकेश को बेड पर अचेत अवस्था में देखा। इसके बाद परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि राकेश मिश्रा को करीब 10 साल से हृदय संबंधी बीमारी थी और उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, उनकी मौत की तत्काल और स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है।घटना की सूचना मिलने के बाद स्टेशन बजरिया पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# भारतीय प्रशासनिक सेवा के 32 अधिकारियों की नवीन पदस्थापना, आदेश जारी

भोपाल, (आरएनएस.) । मध्य प्रदेश राज्य शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 32 अधिकारियों की नवीन पदस्थापना की गई है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से शुक्रवार को आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, संजना जैन (2016) को जल संसाधन विभाग में उप सचिव बनाया गया है। जगदीश कुमार गोमे (2016) को जिला पंचायत सागर का मुख्य कार्यपालन अधिकारी पदस्थ किया गया है। अभिषेक चौधरी (2018) को नगर पालिक निगम ग्वालियर का आयुक्त और संघ प्रिय (2018) को जिला पंचायत सिंगरौली का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। अक्षय कुमार तेम्रवाल (2018) को नगर पालिक निगम भोपाल का अपर आयुक्त, ज्योति शर्मा (2018) को मध्यप्रदेश शासन में उप सचिव, श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन (2018) को लोक निर्माण विभाग में उप सचिव तथा नवित कुमार धुर्वे (2018) को जिला पंचायत देवास का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है।

श्रीमती सृष्टि देशमुख गोड़ा (2019) को जिला पंचायत रीवा का मुख्य कार्यपालन अधिकारी पदस्थ किया गया है। काजल जावला (2019) को राज्य शिक्षा केंद्र, मध्यप्रदेश भोपाल में अपर मिशन संचालक बनाया गया है। डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा (2019) को नगर पालिक निगम सतना का आयुक्त तथा स्मार्ट सिटी सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अनिल कुमार डामोर (2019) को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में उप सचिव बनाया गया है।

अभिषेक सराफ (2020) को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, भोपाल में अपर आयुक्त बनाया गया है। विवेक के. व्ही. (2020) को जबलपुर विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सौम्या आनंद (2021) को जिला पंचायत सीधी का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। ऐश्वर्य वर्मा (2022) को जिला पंचायत खण्डवा का मुख्य कार्यपालन अधिकारी पदस्थ किया गया है। आशीष (2022) को नगर पालिक निगम इंदौर का अपर आयुक्त बनाया गया है। कार्तिकेय जायसवाल (2022) को जिला पंचायत श्योपुर और विशाल धाकड़ (2022) को जिला पंचायत टीकमगढ़ का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। सोनाली देव (2022) को मध्यप्रदेश शासन में उप सचिव पदस्थ किया गया है। अर्पित गुप्ता (2022) को जिला पंचायत बड़वानी और तनुश्री मीणा (2022) को जिला पंचायत बालाघाट का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। श्रद्धा शुक्ला (2022) को जिला खण्डवा का अपर कलेक्टर पदस्थ किया गया है।आशीष कुमार (2024) को बीना, जिला सागर का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनिकेत शांडिल्य (2024) को बैहर, जिला बालाघाट का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), आकाश अग्रवाल (2024) को मझौली, जिला सीधी का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तथा पाटिल आशीष अशोक (2024) को कुक्षी, जिला धार का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बनाया गया है।इसी तरह सुशिर श्रीकृष्ण श्रीराम (2024) को देवसर, जिला सिंगरौली का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कुलदीप पटेल (2024) को बिछिया, जिला मंडला का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जामदार फरहान इरफान (2024) को शहपुरा, जिला डिंडोरी का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तथा ठाकरे ऋषिकेश विजय (2024) को बिजावर, जिला छतरपुर का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बनाया गया है। नवकिरण कौर (2024) को डबरा, जिला ग्वालियर का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पदस्थ किया गया है।इस तरह शासन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 2024 बैच के अधिकारियों को भी विभिन्न जिलों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की जिम्मेदारी दी है। आदेश में संबंधित विभागों, कलेक्टरों और जिला पंचायतों को नवीन पदस्थापना के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

# कार्यकर्ताओं की जनसमस्याएं सुन मंत्री कुशवाह ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

भोपाल,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया, जबकि जिन प्रकरणों में विस्तृत प्रक्रिया आवश्यक है, उन्हें संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के लिए भेजा गया।मंत्री कुशवाह ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनके माध्यम से प्राप्त जनसमस्याओं का गंभीरता से परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों और समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करते हुए नियमानुसार जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए। मंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामने आने वाली जनसमस्याओं का समयबद्ध निराकरण शासन और संगठन के बीच बेहतर समन्वय का महत्वपूर्ण माध्यम है।

# भोपाल के सरकारी स्कूल में ताला, बच्चे-शिक्षक नदारद, जिपं उपाध्यक्ष के निरीक्षण में खुली लापरवाही

भोपाल (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अरवलिया पंचायत क्षेत्र स्थित परवलिया सानी प्राथमिक स्कूल में शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान शिक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई। जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के सभापति मोहनसिंह जाट दोपहर 2.35 बजे स्कूल पहुंचे तो मुख्य गेट पर ताला लगा मिला। स्कूल परिसर में न तो बच्चे मौजूद थे और न ही शिक्षक। जिला पंचायत उपाध्यक्ष जाट के अनुसार, स्कूल में शिक्षकों की गैरमौजूदगी और अव्यवस्थाओं की शिकायतें ग्रामीणों से मिल रही थीं। इसी के चलते उन्होंने शुक्रवार को अचानक स्कूल का निरीक्षण किया। मौके पर स्कूल बंद मिला। कुछ देर बाद एक शिक्षक के पहुंचने पर उपाध्यक्ष ने उनसे स्कूल बंद होने को लेकर जानकारी ली। जिला पंचायत उपाध्यक्ष जाट ने बताया कि स्कूल के बंद होने का निर्धारित समय दोपहर 2.25 बजे बताया गया, जबकि वे 2.35 बजे निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इस दौरान स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगा था और परिसर में एक भी बच्चा नहीं था। उन्होंने इसे शिक्षा व्यवस्था के प्रति गंभीर लापरवाही बताते हुए संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है।

### शिक्षक के नशे में होने का लगाया आरोप

उपाध्यक्ष जाट ने आरोप लगाया कि कुछ देर बाद स्कूल पहुंचे शिक्षक नशे की हालत में दिखाई दे रहे थे। उन्होंने शिक्षक को मौके पर फटकार लगाई और मेडिकल जांच कराने की बात कही। जाट ने कहा कि यदि मेडिकल जांच में उनका आरोप गलत साबित होता है तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। हालांकि, निरीक्षण के दौरान शिक्षक से इस आरोप पर विस्तृत बातचीत नहीं हो सकी। मामले में संबंधित अधिकारियों से जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है।

### ग्रामीणों ने भी बताई समस्याएं

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने स्कूल की बदहाली और अन्य समस्याओं की जानकारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष को दी। जाट ने कहा कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

# मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान में जनसमस्याओं का मौके पर हुआ त्वरित निराकरण

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को कोलार तहसील प्रांगण में जनसमस्या निवारण शिविर एवं हितग्राही सम्मेलन आयोजित किया गया। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में अनेक प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया गया। शिविर में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त किए गए। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के माध्यम से समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित कर उसकी समस्याओं का पारदर्शी और त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

# मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान से मजबूत होगा जनता और सरकार के बीच विश्वास : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

## जैसीनगर में जनसमस्या समाधान शिविर, मंत्री श्री राजपूत की मौजूदगी में सुनी गई क्षेत्रवासियों की समस्याएं

जैसीनगर (ए.) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं को सीधे सुनने और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जैसीनगर में जन विश्वास अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम एवं जनसमस्या समाधान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, जिला कलेक्टर, एस.पी.,जिला पंचायत सीईओ सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरकार में जनसेवा और जनकल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान केवल समस्याएं सुनने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। आम नागरिक अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखें और संबंधित विभाग उन समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य करें, यही इस अभियान

की भावना है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हर शुक्रवार को यह शिविर लगाये जायेंगें तथा समस्त विभागों के अधिकारी लोगों की समस्या का निदान करेंगें। यह क्रम जनवरी तक जिला स्तर से लेकर खण्ड स्तरीय शिविरों के माध्यम से चलता रहेगा। आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, लाडली बहना, प्रधानमंत्री आवास, 181 की शिकायतों का निराकरण इसी शिविर के माध्यम से किया जा सकेगा। श्री राजपूत ने कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि जरूरतमंद लोगों को शिविर तक पहुंचाये ताकि उनकी समस्याओं का निराकरण कर सकें।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ देश में विकास और जनकल्याण की नई दिशा तय की है। इसी भावना को मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगे बढ़ा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे और लोगों को अपने छोटे-बड़े कामों के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

**योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार का संकल्प**

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरकार द्वारा गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, हर घर नल-जल सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

## रीवा और सीधी को लंबे विद्युत व्यवधान से बचाया : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

### अत्यधिक बारिश के बीच एमपी ट्रांसको की रीवा-सीधी टीम ने किया साहसिक सुधार कार्य

रीवा(आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की रीवा एवं सीधी की ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस टीमों ने अत्यधिक बारिश और दुर्गम भौगोलिक

परिस्थितियों के बीच साहसिक सुधार कार्य करते हुए रीवा और सीधी क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति के लंबे व्यवधान से बचाया।ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि 220 केवी रीवा-सीधी ट्रांसमिशन लाइन के चरखी घाटी क्षेत्र में स्थित एक टेंशन टावर की डिस्क स्ट्रिंग आकाशीय बिजली के आघात से क्षतिग्रस्त हो गई थी। लगातार हो रही भारी वर्षा, जगह-जगह जलभराव, मार्गों के क्षतिग्रस्त होने तथा कई स्थानों पर रास्तों के डूब क्षेत्र में आने जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद रीवा और सीधी की मेंटेनेंस टीमें ब्रेकडाउन स्थल तक पहुंचीं। ब्रेकडाउन स्थल ऊंची पहाड़ियों और दुर्गम क्षेत्र में स्थित होने के कारण वहां तक आवश्यक सामग्री एवं टूल्स पहुंचाना बड़ी चुनौती थी। फिसलन भरे रास्तों और मूसलाधार बारिश के बीच एमपी ट्रांसको के मेंटेनेंस कर्मियों ने भारी उपकरणों और सामग्री को सुरक्षित रूप से टावर तक पहुंचाया तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में सुधार कार्य प्रारंभ किया। अत्यंत विपरीत मौसम और दुर्गम परिस्थितियों में आवश्यक मेंटेनेंस कार्य पूरा करते हुए टीम ने अंधेरा होने से पहले लाइन को पुन: चालू कर विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी।

## विधायक विपिन जैन ने डेढ़ घंटे किया जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण, अनुपस्थित डॉक्टर-कर्मचारियों को नोटिस के निर्देश

मंदसौर (ए.) । मंदसौर विधायक विपिन जैन ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय का करीब डेढ़ घंटे तक औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत कर उपचार और सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों और अव्यवस्थाओं की रिपोर्ट विधायक द्वारा जिला कलेक्टर को सौंपी जाएगी। विधायक ने अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था, मरीजों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन तथा गर्भवती महिलाओं के लिए दिए जाने वाले विशेष आहार की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की ओपीडी, टीकाकरण केंद्र और बच्चों के टीकाकरण की व्यवस्थाएं भी देखीं।इसके बाद विधायक ओपीडी पहुंचे और वहां उपचार के लिए आए मरीजों से चर्चा की। उन्होंने चिकित्सकों को जरूरतमंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। विधायक जैन ने चिकित्सकों और अस्पताल के कर्मचारियों को मरीजों एवं उनके परिजनों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिए।

## नर्मदा के उफान में रेतघाट पुल जलमग्न, प्रशासन ने जारी किया हाई अलर्ट

नरसिंहपुर, (ए.) । मध्य प्रदेश के विंध्य अंचल में हो रही मूसलाधार बारिश और जबलपुर क्षेत्र में लगातार वर्षा के चलते नरसिंहपुर जिले में शुक्रवार को नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बरगी बांध से छोड़े जा रहे पानी के कारण नदी में उफान की स्थिति बन गई है। नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से निचले पुल जलमग्न हो गए हैं।

स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने निचले इलाकों में हाई अलर्ट जारी किया है।जानकारी के लिए बता दें कि इस समय मध्य प्रदेश के विंध्य अंचल में हो रही मूसलाधार बारिश से कई नदी -नाले उफान पर हैं। जबकि मंडला, बालाघाट, डिंडोरी में लगातार हो रही बारिश के चलते जबलपुर के बरगी बांध का जलस्तर बढ़ गया है। इसे नियंत्रित करने के लिए बांध के 13 गेट खोल दिए गए हैं। इन गेटों को औसतन 2.15 मीटर की ऊंचाई तक खोला गया है, जिनसे 3,988 क्यूमेक पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। इनमें 5 गेट 3 मीटर, 4 गेट 2 मीटर, 2 गेट 1.5 मीटर और 2 गेट 1 मीटर की ऊंचाई तक खुले हैं। यही वजह है कि अब नर्मदा के निचले बाढ़ का खतरा मडराने लगा है।

बरमान के रेतघाट स्थित पुल के जलमग्न होने के बीच लोगों की लापरवाही का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग उफनती नर्मदा के बीच पुल पर खड़े होकर पानी के तेज बहाव में बहकर आ रही लकड़ियों को पकड़ने का प्रयास करते नजर आ रहे हैं। नदी में तेज बहाव के बीच इस तरह की गतिविधि से किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

**घाटों और निचले इलाकों से दूर रहने की अपील**

नर्मदा के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अधिकारियों ने लोगों से नदी के घाटों, पुल-पुलियों और निचले इलाकों में नहीं जाने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने को कहा है।

## अवैध कॉलोनाइजरों पर नगर निगम की कार्रवाई, 1.50 करोड़ मूल्य की शासकीय भूमि कराई गई मुक्त

जबलपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर के सुनियोजित विकास और आम नागरिकों को अवैध प्लॉटिंग व धोखाधड़ी से बचाने के लिए प्रभावी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में

शुक्रवार को नगर निगम द्वारा कटंगी बायपास क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1.50 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को सुरक्षित कराया गया।कॉलोनी सेल प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि वार्ड क्रमांक 72 दादा ठनठन पाल वार्ड अंतर्गत मटर मण्डी के सामने, नन्दनी, कटंगी बायपास क्षेत्र में खसरा नंबर 366 एवं 367, रकबा 1.1800 हेक्टेयर पर बिना वैध अनुमति के विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनी के निर्माण को हटाया गया। उन्होंने बताया कि कॉलोनी के पहुंच मार्ग के रूप में उपयोग की जा रही शासकीय भूमि खसरा नं. 370/1, रकबा लगभग 650 वर्ग मीटर को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 1.50 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि निर्माणकर्ताओं को पूर्व में नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे।

# व्यापार समाचार

## क्रेडिट कार्ड को सक्रिय न करने पर भी न करें नजरअंदाज, शुल्क और बकाया से हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बैंक या वित्तीय कंपनी से क्रेडिट कार्ड घर पहुंचने के बाद यदि उसे सक्रिय नहीं किया जाता है, तो आमतौर पर उससे

खरीदारी या भुगतान नहीं किया जा सकता। हालांकि, ऐसे कार्ड को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी उचित नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, कार्ड जारी करने वाली संस्था को कार्ड सक्रिय करने से पहले ग्राहक की स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है। ग्राहक की मंजूरी नहीं मिलने पर कार्ड को बंद करना जरूरी है।

इसलिए क्रेडिट कार्ड मिलने के बाद उसकी सक्रियता की स्थिति, शुल्क, नियम और अन्य शर्तों की समय-समय पर जांच करते रहना चाहिए।

यदि क्रेडिट कार्ड को सक्रिय नहीं किया गया है, तो सामान्य तौर पर उसका इस्तेमाल खरीदारी या किसी भुगतान के लिए नहीं किया जा सकता। हालांकि, कार्ड को केवल इसलिए अनदेखा कर देना सही नहीं है। ग्राहक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्ड की स्थिति क्या है और उस पर किसी प्रकार का शुल्क तो नहीं लगाया जा रहा है।

यदि ग्राहक ने कार्ड को सक्रिय कर दिया है और इसके बाद उसका इस्तेमाल नहीं किया, तो स्थिति अलग हो सकती है। ऐसे कार्ड पर वार्षिक शुल्क या नवीनीकरण शुल्क लगाया जा सकता है। इसलिए कार्ड लेते समय शुल्क और उससे जुड़ी सभी शर्तों को ध्यान से पढ़ना जरूरी है।

कई ग्राहक यह मान लेते हैं कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करने पर उससे जुड़े सभी शुल्क अपने आप समाप्त हो जाएंगे। ऐसा जरूरी नहीं है। कार्ड की शर्तों के अनुसार शुल्क लगाया जा सकता है और भुगतान नहीं करने पर बकाया राशि बन सकती है।

यदि सक्रिय किए गए कार्ड पर कोई शुल्क या अन्य राशि बकाया है और ग्राहक उसका समय पर भुगतान नहीं करता, तो इसका असर उसकी वित्तीय स्थिति पर पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड की बकाया राशि समय पर नहीं चुकाने पर इसकी जानकारी ग्राहक की क्रेडिट रिपोर्ट में दर्ज हो सकती है। इससे साख अंक यानी क्रेडिट स्कोर प्रभावित होने की आशंका रहती है। भविष्य में ऋण या अन्य वित्तीय सुविधाएं लेने के दौरान इसका असर पड़ सकता है।

इसलिए यदि कार्ड की आवश्यकता नहीं है, तो उसे केवल काटकर या फेंककर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। कार्ड जारी करने वाली बैंक या वित्तीय संस्था से संपर्क करके खाता बंद कराने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।यदि कोई सक्रिय क्रेडिट कार्ड एक वर्ष से अधिक समय तक इस्तेमाल नहीं किया जाता है, तो कार्ड जारी करने वाली संस्था ग्राहक को सूचना देकर खाता बंद कर सकती है। हालांकि, ग्राहक को अपनी ओर से भी कार्ड की स्थिति और उससे जुड़े शुल्क की जानकारी लेते रहना चाहिए।यदि किसी व्यक्ति ने एक साथ कई क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन किया है, तो उसे अपनी क्रेडिट रिपोर्ट की भी नियमित जांच करनी चाहिए। इससे किसी गलत जानकारी, अनधिकृत खाते या अन्य गड़बड़ी का समय रहते पता लगाया जा सकता है। क्रेडिट कार्ड लेने से पहले वार्षिक शुल्क, नवीनीकरण शुल्क, ब्याज दर, भुगतान की अंतिम तारीख, विलंब शुल्क और अन्य नियमों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए। कार्ड का इस्तेमाल नहीं करने की स्थिति में भी उस पर लगने वाले शुल्क की जानकारी रखना जरूरी है।

## CPCB में 51 पदों पर निकली सरकारी भर्ती, 1.71 लाख रुपए तक सैलरी; 24 अगस्त से शुरू होंगे ऑनलाइन आवेदन

नई दिल्ली (आरएनएस)। नौकरी की बेहतर तलाश में जुटे लोगों के लिए एक बेहतरीन मौका सामने आया है। दरअसल, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने गंगा नदी पर चलाए जा रहे 'पर्यावरण नियामकों को मजबूत करने की परियोजना (एसईआर) - चरण-III' के तहत कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर विभिन्न 51 पदों पर पात्र उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके आवेदन मांगे हैं।

सीपीसीबी की ओर से जारी 51 रिक्तियों में साइंटिस्ट-डी का 1, साइंटिस्ट-सी के 8, साइंटिस्ट-बी के 12, असिस्टेंट मैनेजर (फाइनेंस) के 3, एडमिनिस्ट्रेटिव असिस्टेंट का 1, साइंटिफिक असिस्टेंट के 13, टैक्सोनॉमिस्ट का 1, डेटा एंट्री ऑपरेटर के 4 और फील्ड असिस्टेंट के 8 पद शामिल हैं। इन सभी पोस्ट के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 24 अगस्त के सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 7 सितंबर तय की गई है। ऐसे में जो पात्र और इच्छुक उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्ति के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे सीपीसीबी की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से संबंधित पोस्ट और क्षेत्र के अनुसार एनवायरनमेंटल साइंस/नेचुरल साइंस में फर्स्ट क्लास मास्टर्स डिग्री, कॉमर्स में फर्स्ट क्लास मास्टर डिग्री (फाइनेंस और अकाउंटिंग/टैक्सेशन)/चार्टर्ड अकाउंटेंट/एमबीए (फाइनेंस और अकाउंटिंग), प्रथम श्रेणी बैचलर डिग्री, फर्स्ट क्लास एमएससी, साइंस/बीसीए में फर्स्ट क्लास बैचलर डिग्री, साइंस में कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2 पास किया होना चाहिए।

आवेदकों की अधिकतम आयु पोस्ट के अनुसार 27 से 50 वर्ष के बीच तय की गई है, जिसकी गणना फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

योग्य अभ्यर्थियों का चयन आवेदकों की जांच, इंटरव्यू/लिखित परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी पोस्ट के अनुसार 38,741 से 1,71,597 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसके अलावा कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे। वहीं, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए इंटरव्यू का आयोजन दिल्ली में किया जाएगा।

सीपीसीबी की ओर से चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति क्षेत्रीय निदेशालय (लखनऊ, कोलकाता, चंडीगढ़) या दिल्ली स्थित मुख्यालय में की जाएगी। बता दें कि सीपीसीबी की ओर से ये नियुक्तियां शुरू में पूरी तरह से एक वर्ष के लिए कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर होंगी और जरूरत के हिसाब से उम्मीदवारों के परफॉर्मेंस के आधार पर इन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।

## कोलगेट-पामोलिव इंडिया में नेतृत्व परिवर्तन, मनीष आनंदानी होंगे नए प्रबंध निदेशक और सीईओ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कोलगेट-पामोलिव इंडिया ने कंपनी के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की है। कंपनी के निदेशक मंडल ने मनीष आनंदानी को नया प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। आनंदानी 28 सितंबर 2026 से कंपनी की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनका कार्यकाल पांच वर्ष का होगा।

आनंदानी मौजूदा प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभा नरसिम्हन का स्थान लेंगे। कोलगेट-पामोलिव के साथ आनंदानी का पहले भी लंबा जुड़ाव रहा है। ऐसे में उनकी नियुक्ति को कंपनी में उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है।

मनीष आनंदानी को कारोबार और विपणन क्षेत्र में करीब तीन दशक का अनुभव है। उन्होंने कोलगेट-पामोलिव, जॉनसन एंड जॉनसन और केनव्यू इंडिया जैसी बड़ी कंपनियों में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर काम किया है।

आनंदानी वर्ष 2005 से 2018 तक कोलगेट-पामोलिव से जुड़े रहे। इस दौरान उन्होंने वैश्विक ग्राहक विकास में विश्वव्यापी निदेशक की जिम्मेदारी संभाली। उनके अनुभव में कारोबार का विस्तार, डिजिटल बदलाव, रणनीति निर्माण और नए बाजारों में कंपनी की पहुंच बढ़ाना शामिल है।

आनंदानी के पेशेवर करियर में पेप्सी, जॉनसन एंड जॉनसन और कोलगेट-पामोलिव जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ काम करने का अनुभव शामिल है। उन्होंने कंपनी अधिग्रहण, कारोबार विस्तार और नए कारोबारी मॉडल तैयार करने से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य भी किए हैं।

उनके पास इलेक्ट्रॉनिक्स और विपणन की डिग्री है। इसके अलावा उन्होंने अमेरिका के टक स्कूल ऑफ बिजनेस से नेतृत्व विषय में कार्यकारी प्रबंधन स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है।

कंपनी ने बताया है कि आनंदानी को किसी भी नियामकीय संस्था की ओर से किसी पद पर नियुक्त होने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है।

प्रभा नरसिम्हन 1 सितंबर 2022 से कोलगेट-पामोलिव इंडिया की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उनका वर्तमान कार्यकाल 27 सितंबर 2026 को कारोबारी समय समाप्त होने के साथ पूरा हो जाएगा।

इसके बाद नरसिम्हन को कंपनी के एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विपणन की कार्यकारी उपाध्यक्ष की वैश्विक जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

प्रभा नरसिम्हन को ग्राहक विकास, विपणन और नवाचार के क्षेत्र में करीब 25 वर्ष का अनुभव है। कोलगेट-पामोलिव इंडिया की जिम्मेदारी संभालने से पहले वह हिंदुस्तान यूनिलीवर में कार्यकारी निदेशक के पद पर रह चुकी हैं।

## अमेज़न पर भारी जुर्माना : राम मंदिर का प्रसाद बोलकर बेच रहे थे साधारण मिठाई, सीसीपीए ने लिया बड़ा एक्शन

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की विक्रेता सेवा इकाई पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने यह कार्रवाई साधारण मिठाइयों को 'श्रीराम मंदिर अयोध्या प्रसाद' के नाम से बेचने और उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले विज्ञापन दिखाने के मामले में की है।

उपभोक्ता नियामक की जांच में सामने आया कि अमेजन के मंच पर ऐसे उत्पादों की बिक्री की अनुमति दी गई, जिनके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास की ओर से कोई आधिकारिक मंजूरी या प्रामाणिकता प्रमाण उपलब्ध नहीं था।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अपने 19 पन्नों के आदेश में कहा कि 'श्रीराम मंदिर अयोध्या प्रसाद' शब्द देश के करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक और भावनात्मक महत्व रखता है। प्राधिकरण के अनुसार, बिना आधिकारिक अनुमति के सामान्य मिठाइयों को इस नाम से बेचकर व्यावसायिक लाभ कमाना उपभोक्ताओं को गुमराह करने के साथ-साथ उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है।

प्राधिकरण ने कहा कि अमेजन जैसे बड़े ऑनलाइन मंच की व्यापक पहुंच के कारण उपभोक्ता ऐसे विज्ञापनों को वास्तविक और प्रमाणिक मान सकते हैं। इससे भ्रामक प्रचार के प्रभाव और संभावित नुकसान में वृद्धि होती है। यह मामला जनवरी 2024 में सामने आया था। अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ ने 19 जनवरी 2024 को अमेजन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अमेजन पर चार प्रकार की मिठाइयों को अयोध्या में श्रीराम मंदिर का प्रसाद बताकर 299 से 385 रुपये के बीच बेचा जा रहा था।

# सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

## विरोध प्रदर्शन मौलिक अधिकार

सर्वोच्च न्यायालय पहले यह कह चुका है कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रतिरोध पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि विरोध प्रदर्शन संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है। अब इस पैमाने को नहीं बदला जाना चाहिए। यह निराशाजनक है कि सर्वोच्च न्यायालय ने जंतर-मंतर से हटा कर प्राथमिक प्रतिरोध स्थल को रामलीला मैदान तय करने की याचिका को गंभीरता से लिया। नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के आयोजन पर पहले ही कई बंदिशें लग चुकी हैं। ऐसे में आशंका है कि सुप्रीम कोर्ट के ऐसी याचिका को अहमियत देने को सरकार एक अवसर के रूप में ले सकती है। इस हफ्ते एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें मांग की गई है कि राष्ट्रीय राजधानी में रामलीला मैदान को प्राथमिक प्रदर्शन स्थल बनाया जाए। कोर्ट ने इसे महत्वपूर्ण मामला मानते हुए सॉलीसिटर जनरल को केंद्र से इस र सलाह लेने का निर्देश दिया। यहां यह याद करना उचित होगा कि तीन दशक पहले विरोध प्रदर्शन का प्राथमिक स्थल बोट क्लब था, जो संसद भवन और राष्ट्रपति भवन के ठीक सामने है। विरोध के स्वर के प्रति असहनशीलता दिखाते हुए तत्कालीन सत्ताधारियों ने प्राथमिक प्रदर्शन स्थल को जंतर-मंतर तय कर दिया। दिल्ली पुलिस के मौजूदा नियमों के अनुसार किसी प्रदर्शन में 1,000 से कम लोग शामिल होने हों, तो जंतर-मंतर पर आयोजन की अनुमति दी जाती है। 1,000 से अधिक संभावित उपस्थिति के लिए रामलीला मैदान तय किया गया है। अभी हाल में जंतर-मंतर पर हुए 'कॉकरोच' प्रदर्शन से सरकार के लिए कठिन स्थितियां पैदा हुईं। जंतर-मंतर से भी दूरी कम है, इसलिए वहां से संसद मार्च आयोजित करना आसान रहा है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका को इसी पृष्ठभूमि देखा जाना चाहिए। इस सिलसिले में खुद सर्वोच्च न्यायालय के 2018 में दिए एक निर्णय को याद करना उचित होगा, जब कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों को रामलीला मैदान शिफ्ट करने के एक आदेश को खारिज कर दिया था। अदालत ने कहा था कि जंतर-मंतर या बॉट क्लब जैसी जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि विरोध प्रदर्शन संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है। अब इस पैमाने को नहीं बदला जाना चाहिए। लोगों की आवाज संसद और सरकार तक पहुंच सके, इसके लिए निकटतम जगह पर प्रदर्शन के जन अधिकार की रक्षा अति अवश्यक है।

# सेमीकंडक्टर और एआई क्रांति भविष्य को सशक्त बनाना

चिप्स से एआई तक: भारत की टेक्नोलॉजी लीडरशिप का निर्माण

सेमीकंडक्टर आधुनिक तकनीक की आधारशिला हैं। स्मार्टफोन, वाहन, उपग्रह और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों से लेकर आधुनिक औद्योगिक उपकरणों तक लगभग हर क्षेत्र में इनका उपयोग होता है। वहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से विस्तार के कारण उन्नत चिप, विशेष प्रोसेसर और उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक-दूसरे से गहराई से जुड़ गए हैं।

भारत इसी बदलते तकनीकी परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए चिप डिजाइन और विनिर्माण से लेकर उन्नत पैकेजिंग, कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे और स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल तक अपनी क्षमताओं का तेजी से विस्तार कर रहा है। सरकार की विभिन्न पहलों के माध्यम से दोनों क्षेत्रों को जोड़ते हुए ऐसा एकीकृत तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जा रहा है, जो आत्मनिर्भरता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।जब भारत अपनी स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब ये क्षमताएं वैश्विक तकनीकी नेतृत्व और विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं।

**सेमीकंडक्टर: तकनीकी आत्मनिर्भरता की नींव**

भारत सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में घरेलू क्षमताएं विकसित कर रहा है। इसमें चिप डिजाइन, विनिर्माण, उन्नत पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण और आवश्यक सामग्री से लेकर कुशल मानव संसाधन तैयार करना शामिल है। घरेलू क्षमता मजबूत होने से भारत भविष्य की महत्वपूर्ण तकनीकों के विकास और विनिर्माण में अधिक सक्षम हो रहा है।

**सेमीकॉन 1.0 ने रखी आत्मनिर्भरता की नींव**

भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने के लिए सेमीकॉन 1.0 के तहत 76 हजार करोड़ रुपये के बजट के साथ आधार तैयार किया गया। इसके अंतर्गत चिप डिजाइन, विनिर्माण, पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण, सामग्री और कुशल प्रतिभाओं सहित पूरी मूल्य श्रृंखला को समर्थन दिया गया। अब सेमीकॉन 2.0 इस आधार को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। जुलाई 2026 में इसके लिए 1 लाख 27 हजार 500 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई।सेमीकॉन इंडिया 2.0 छह रणनीतिक स्तंभों पर केंद्रित है। इनमें चिप डिजाइन, मशीन और सामग्री, सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र, उन्नत परीक्षण एवं पैकेजिंग, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा विकास शामिल हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाने और भारत को भविष्य के सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में मदद करेगा।

**नीति से उत्पादन तक पहुंचा सेमीकंडक्टर कार्यक्रम**

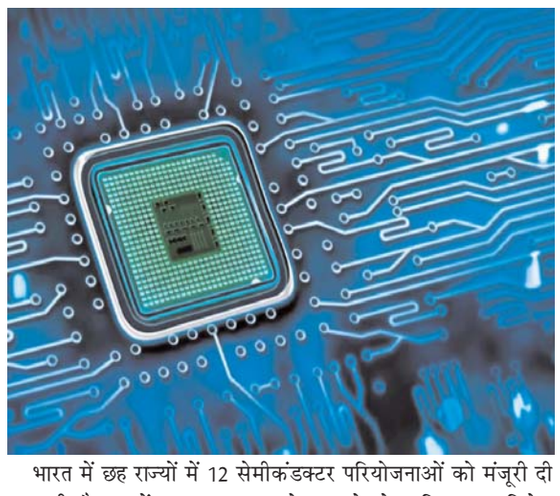

भारत में छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। इनमें 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र, डिस्प्ले निर्माण तथा उन्नत पैकेजिंग सुविधाएं शामिल हैं। इनमें से तीन सुविधाओं में वाणिज्यिक उत्पादन भी शुरू हो चुका है। यह भारत के सेमीकंडक्टर कार्यक्रम के नीति निर्माण से आगे बढ़कर वास्तविक विनिर्माण की दिशा में पहुंचने का संकेत है। इन सुविधाओं से वाहन उद्योग, दूरसंचार, अंतरिक्ष एवं विमानन, विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए महत्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति होने की उम्मीद है। सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्र कच्चे सिलिकॉन वेफर को कार्यशील एकीकृत परिपथ और सूक्ष्मचिप में बदलते हैं। डिस्प्ले निर्माण संयंत्र मोबाइल फोन, कारों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए सपाट तथा लचीली स्क्रीन तैयार करते हैं। वहीं उन्नत पैकेजिंग तकनीक संवेदनशील चिप को सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे उनका प्रदर्शन और उपयोग अवधि बेहतर होती है।

**स्वदेशी चिप डिजाइन को मिल रहा बढ़ावा**

भविष्य की कार्यबल जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने चिप्स टू स्टार्ट-अप जैसी पहलों के माध्यम से सेमीकंडक्टर कौशल विकास पर जोर दिया है। इसके तहत 320 शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं और 68 हजार से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया है। इससे विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को उन्नत चिप डिजाइन क्षमता तक पहुंच मिल रही है। डिजाइन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत 24 सेमीकंडक्टर डिजाइन परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी गई है। इसके अतिरिक्त 105 स्टार्ट-अप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन उपकरणों के लिए सहायता प्रदान की गई है।

**चिप डिजाइन में भारत की क्षमता बढ़ी**

इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन स्वचालन उपकरण ऐसे सॉफ्टवेयर मंच हैं, जिनका इस्तेमाल सेमीकंडक्टर चिप को डिजाइन, अनुकरण, सत्यापन और बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। इनके माध्यम से निर्माण से पहले संभावित त्रुटियों का पता लगाया जाता है और चिप की कार्यक्षमता, ऊर्जा दक्षता तथा विश्वसनीयता को बेहतर किया जाता है। अप्रैल 2026 तक 75 संस्थानों द्वारा 211 चिप डिजाइन का अंतिम डिजाइन चरण पूरा किया जा चुका था। इनमें से सात चिप का अलग-अलग तकनीकी स्तरों पर सफल निर्माण भी किया गया है, जिसमें 12 नैनोमीटर जैसे उन्नत स्तर शामिल हैं।सेमीकॉन 2.0 के तहत सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा, चिप और प्रणाली डिजाइन को और बढ़ावा देने का लक्ष्य है। इससे वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है।

**वैश्विक साझेदारी से मजबूत हो रहा पारिस्थितिकी तंत्र**

भारत अमेरिका, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड, जर्मनी और यूरोपीय संघ सहित कई देशों और समूहों के साथ सेमीकंडक्टर क्षेत्र में तकनीकी सहयोग बढ़ा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 में 48 देशों और क्षेत्रों से 350 से अधिक प्रदर्शक और प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम में 35 हजार से अधिक पंजीकरण, 30 हजार लोगों की प्रत्यक्ष मौजूदगी और 25 हजार ऑनलाइन दर्शक दर्ज किए गए। कार्यक्रम के दौरान उत्पाद विकास, सेवाओं और सेमीकंडक्टर कौशल विकास को मजबूत करने के लिए 12 समझौता ज्ञापनों की घोषणा की गई। इन साझेदारियों से भारतीय कंपनियों को वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला से जोड़ने और घरेलू क्षमताओं को तेजी से विकसित करने में मदद मिल रही है।

भारत की अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यवस्था तैयार करने की दिशा में बड़ा कदमसेमीकंडक्टर के साथ भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी व्यापक क्षमता विकसित कर रहा है। लगभग 10 हजार 372 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्वीकृत इंडिया एआई मिशन का उद्देश्य सुरक्षित, समावेशी और भारतीय जरूरतों के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमताएं विकसित करना है।मिशन कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नवाचार, आर्थिक विकास और सार्वजनिक सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए रणनीतिक क्षमता के रूप में विकसित करने पर केंद्रित है।

**45 हजार से अधिक जीपीयू की साझा कंप्यूटिंग क्षमता**

जून 2026 तक इंडिया एआई मिशन के तहत साझा कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाकर 45 हजार से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग इकाइयों तक पहुंचाई गई है।

## बढ़ती कीमतें और भारतीय जन-मानस

संजीव ठाकुर,

मानवीय अहंकार के परिणाम स्वरूप अमेरिका-ईरान-इजरायल और यूक्रेन रूस युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों के दाम लगभग विश्व के हर देश में बढ़ गए हैं। इसी परिपेक्ष में भारत में भी बढ़ते पेट्रोल डीजल के दामों के करण भारतीय मध्यम वर्गीय अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक संरचना बृहद रूप में प्रभावित हुई है । पेट्रोल में एथेनॉल मिलने के कारण गन्ने की कीमतों में इजाफा हुआ है और गन्ने की कीमतों में मिर्जापुर होने से शक्कर प्रति किलो 25 से 30 रुपए महंगी हो गई और महंगाई ने मध्यमवर्गीय परिवार के बजट की खबर तोड़कर रख दिए एक बार महंगाई बढ़ती है तो वापस काम नहीं होती है अमेरिका-ईरान तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध तथा मध्य-पूर्व में इजरायल से जुड़े संघर्षों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में हुई वृद्धि ने लगभग प्रत्येक देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने विशेष रूप से भारतीय मध्यम वर्ग की आर्थिक और सामाजिक संरचना को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है।

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव घरेलू बाजार पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने के साधन नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण आर्थिक गतिविधियों की रीढ़ हैं। परिवहन, कृषि, उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र लगभग सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन पर निर्भर हैं।डीजल की कीमतों में वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर पड़ता है। देश में अधिकांश माल ढुलाई ट्रकों के माध्यम से होती है। जब डीजल महंगा होता है, तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि खाद्यान्न, फल-सब्जियां, दूध, दालें, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें स्वत: बढ़ने लगती हैं। व्यापारी अतिरिक्त लागत का भार अंतत: उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं। इस प्रकार महंगाई का एक ऐसा चक्र प्रारंभ हो जाता है, जिससे सामान्य नागरिक बच नहीं पाता।भारतीय मध्यम वर्ग पहले से ही शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार संबंधी चुनौतियों से जूझ रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने उसकी मासिक आय और व्यय के संतुलन को और बिगाड़ दिया है। जिन परिवारों के पास निजी वाहन हैं, उनके लिए कार्यालय, विद्यालय और अन्य आवश्यक यात्राओं का खर्च बढ़ गया है।

## काले धन और अवैध सौदों का चक्र टूटेगा

रजनीश कपूर

समाज को चाहिए कि वह अपने आदर्श माने जाने वाली हस्तियों से उच्च नैतिक मानदंडों की अपेक्षा करे। फिर वो चाहे कोई प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता हो, आध्यात्मिक गुरु हो, उद्योगपति हो, या कोई अन्य मशहूर हस्ती, जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए और अदालतों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।

आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि उद्योग जगत, मनोरंजन जगत, आध्यात्मिक संस्थाओं और खेल जगत के कुछ नामी-गिरामी हस्तियों के नाम बार-बार 'मनी लॉन्ड्रिंग', फर्जी सौदों और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन के मामलों में चर्चा में आते हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी मेहनत, प्रतिभा और लोकप्रियता से करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीता है। फिर भी इनमें से कुछ लोग ऐसे हैं जो अपनी अच्छी छवि को दाव पर लगाकर काले धन के सौदों में उलझ जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल उनके व्यक्तिगत पतन का संकेत है, बल्कि पूरे समाज में भ्रष्टाचार की जड़ों को और मजबूत करती है।

गौरतलब है कि इन हस्तियों के पास पहले से ही करोड़ों की अपार संपत्ति, ब्रांड एंडोर्समेंट, फिल्मों या मैचों से की गई कमाई और सामाजिक प्रतिष्ठा होती है। फिर भी वे अवैध गतिविधियों की ओर क्यों आकर्षित होते हैं? एक बड़ा कारण है लोभ। सफलता के बाद भी और अधिक धन और अधिक पावर की भूख कभी नहीं मिटती। कई बार वे सोचते हैं कि उनकी छवि इतनी मजबूत है कि कोई उन पर उंगली नहीं उठाएगा। कुछ लोग अपने व्यवसाय को 'विविधीकरण' का नाम देकर रियल एस्टेट, शेल कंपनियों, दान के नाम पर काले धन को सफेद करना या विदेशी खातों के जरिए धन छिपाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में उन्हें अपनी बनाई हुई प्रतिष्ठा एक सुरक्षा कवच लगती है, लेकिन असल में यह उनके गिरने का कारण बन जाती है।

कई मामलों में यह भी देखने को मिलता है कि ये लोग अपने सरकारी संपर्कों और प्रभावशाली लोगों से परिचित होने के कारण अत्यधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि जांच एजेंसियां उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगी या मामला दबा दिया जाएगा। यह आत्मविश्वास अक्सर गलत साबित होता है, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका होता है। लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है, चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो। फिर भी व्यवहार में कई बार प्रभावशाली लोगों के खिलाफ जांच धीमी पड़ जाती है या सबूतों की कमी का हवाला देकर मामले कमजोर हो जाते हैं।

भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और अन्य एजेंसियां जब ऐसे मामलों की जांच करती हैं, तो अक्सर आरोपियों को सजा नहीं दिला पाती। इसके कई कारण हो सकते हैं; जटिल कानूनी प्रक्रियाएं, सबूतों की कमी, गवाहों का दबाव में आना या लंबी अदालती सुनवाई। कभी-कभी राजनीतिक प्रभाव या संसाधनों की कमी भी जांच को प्रभावित करती है। लेकिन ऐसे 'जाहिर कारणों' से बरी होना या मामला रुक जाना समाज में गलत संदेश देता है। आम आदमी सोचता है कि कानून सिर्फ कमजोरों के लिए है। यह धारणा लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। इस स्थिति में अदालतें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। स्वतंत्र न्यायपालिका को चाहिए कि वह ऐसे मामलों में तेजी से सुनवाई करे, सबूतों का निष्पक्ष मूल्यांकन करे और दोषियों को उचित सजा दे। विशेष अदालतें या फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाएं मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आर्थिक अपराधों के लिए बनाई जा सकती हैं। अदालतें एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दे सकती हैं कि जांच में देरी न की जाए और कोई भी प्रभाव जांच को बाधित न करे। साथ ही, अगर कोई व्यक्ति अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके जांच को प्रभावित करने की कोशिश करे तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। न्याय तभी प्रभावी होगा जब वह बिना भेदभाव के लागू हो।

ज़रूरत है तो इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाना की। जनता को समझना चाहिए कि सेलेब्रिटीज की चमकदार जिंदगी के पीछे कई बार काले कारोबार की छाया होती है। मीडिया और जागरूक नागरिकों को ऐसे मामलों की लगातार निगरानी करनी चाहिए। एजेंसियों को चाहिए कि वे शिकायतों को गंभीरता से लें, चाहे आरोपी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। शिकायत दर्ज होने के बाद प्रारंभिक जांच तुरंत शुरू होनी चाहिए और सबूतों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। यदि शिकायत में गंभीर आरोप हों और उसके ठोस प्रमाण भी संलग्न हों तो जांच एजेंसियों जिम्मेदारी हो कि शिकायतकर्ता की पहचान को गुप्त रखा जाए।

कानून के जानकार मानते हैं कि शिकायत दर्ज कराने के लिए ठोस सबूत जरूरी होते हैं। सामान्य दस्तावेजी सबूतों में बैंक स्टेटमेंट, प्रॉपर्टी दस्तावेज, कंपनी रजिस्ट्रेशन पेपर्स, इनकम टैक्स रिटर्न और संदिग्ध लेन-देन के रिकॉर्ड शामिल हो सकते हैं। डिजिटल सबूत आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण हैं; ऑडी-वीडियो रिकॉर्डिंग, ईमेल, व्हाट्सएप या अन्य मैसेजिंग ऐप के चैट, सोशल मीडिया पोस्ट, डिजिटल वॉलेट के लेन-देन, क्रिप्टोकरेंसी ट्रांजेक्शन, क्लाउड स्टोरेज में सेव की गई फाइलें और सर्वर लॉग। ये सबूत समय-स्टैम्प के साथ उपलब्ध होने चाहिए और 'चेन ऑफ कस्टडी' बनाए रखते हुए पेश किए जाने चाहिए। इसके साथ ही गवाहों के बयान और फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट भी मजबूत आधार प्रदान करते हैं। शिकायतकर्ता को चाहिए कि वह सभी उपलब्ध जानकारी व्यवस्थित रूप से एजेंसी को सौंपे और जांच में सहयोग करे।समाज को चाहिए कि वह अपने आदर्श माने जाने वाली हस्तियों से उच्च नैतिक मानदंडों की अपेक्षा करे। फिर वो चाहे कोई प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता हो, आध्यात्मिक गुरु हो, उद्योगपति हो, या कोई अन्य मशहूर हस्ती, जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए और अदालतों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। तभी हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ सकेंगे जहां प्रतिष्ठा और धन किसी को कानून से ऊपर न रख सकें। काले धन और अवैध सौदों का चक्र तभी टूटेगा जब हर नागरिक, हर संस्था और हर अदालत अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाए।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है, आज आप मार्केट से कोई मनपसंद सामान खरीदेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगों का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। इस राशि की महिलाएं अपने बिजनेस में एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ भी होगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां भी बनेंगी। आज किसी से विवाद की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका खुशहाल रहेगा। काम को पूरा करने में आ रही अड़चन आज समाप्त होंगी। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतरी के लिए आप किसी से हेल्प ले सकते हैं। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ हो सकती है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई भी निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप तनाव की स्थिति में आ सकते हैं। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं जिससे अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप कोई नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर में मेहमान आ सकते हैं, घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगाज्जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी, शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस राशि के बिजली विभाग के कर्मचारियों का आज दिन अच्छा रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं।

# जहरीली शराब का खूनी नेटवर्क आखिर कब टूटेगा?

**शराबबंदी के बावजूद मौत का कारोबार! गुजरात से तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों तक जहरीली शराब की त्रासदी और शासन- व्यवस्था के सामने सबसे बड़ा सवाल**

**-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र**

गोंदिया -वैश्विक स्तरपर हाल के दिनों में गुजरात के भावनगर जिले से सामने आई जहरीली शराब की त्रासदी ने एक बार फिर पूरे देश के सामने वह असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है,जिसका उत्तर भारत वर्षों से तलाश रहा है जब शराबबंदी लागू है,जब कानून कठोर हैं,जब पुलिस, प्रशासन,आबकारी विभाग और खुफिया तंत्र मौजूद हैं, तब आखिर जहरीली और अवैध शराब आम लोगों तक पहुंचती कैसे है? 20 अगस्त 2026 को उपलब्धनवीनतम रिपोर्टों के अनुसार भावनगर त्रासदी में मृतकों की संख्या सात से बढ़कर आठ हो गई है और करीब 39 लोग उपचाराधीन बताए गए हैं। जांच में कथित रूप से मेथनॉल से तैयार जहरीली शराब,लोकप्रिय ब्रांड की नकली बोतलों और अंतरराज्यीय आपूर्ति नेटवर्क के संकेत मिले हैं; पुलिस ने 21 आरोपियों को नामजद कर 13 गिरफ्तारियां किए जाने की भी जानकारी दी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि भावनगर की घटना इसलिए और गंभीर है क्योंकि गुजरात भारत के उन राज्यों में है जहां दशकों से शराबबंदी लागू है।शराब की बिक्री,खरीद और सेवन पर प्रतिबंध का मूल उद्देश्य सामाजिक स्वास्थ्य, परिवारों की सुरक्षा और नशे से होने वाले अपराधों को नियंत्रित करना रहा है,लेकिन जमीन पर यदि प्रतिबंधित शराब भूमिगत बाजार में उपलब्ध हो जाए तो समस्या केवल शराब सेवन की नहीं रह जाती; वह अवैध अर्थव्यवस्था,संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, नकली ब्रांड, रासायनिक विषाक्तता और प्रशासनिक विफलता का संयुक्त संकट बन जाती है।भावनगर में सामने आया कथित नकली आईएमएफएल नेटवर्क इसी खतरनाक तंत्र की ओर संकेत करता है। रिपोर्टों

के अनुसार शराब कथित रूप से मध्य प्रदेश से कच्चे माल के साथ जुड़ी थी, जबकि निर्माण भावनगर क्षेत्र में किए जाने की बात जांच में सामने आई है। डिस्क्लेमर यह पूरी जानकारी मीडिया से ली गई है। साथियों,लेकिन भावनगर की कहानी कोई अकेली कहानी नहीं है। यह भारत में जहरीली शराब की उन अनगिनत त्रासदियों की नई कड़ी है जिनमें गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते रहे हैं। वर्ष 2024 में तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में मेथनॉल- मिश्रित अवैध शराब ने ऐसा कहर बरपाया कि देश स्तब्ध रह गया। शुरुआती दिनों में मृतकों की संख्या तेजी से बढ़ी और अंतत: सरकारी तथा मीडिया रिपोर्टों में 65 मौतों और 200 से अधिक लोगों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई।इस त्रासदी में उल्टी,पेटदर्द,दस्त और गंभीर विषाक्तता के लक्षणों के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। जांच में मेथनॉल की मौजूदगी सामने आई, जबकि अवैध शराब के नेटवर्क से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की गई और प्रशासनिक स्तर पर भी अधिकारियों के विरुद्ध कदम उठाए गए।कल्लाकुरिची से ठीक एक वर्ष पहले, मई 2023 में तमिलनाडु के विलुप्पुरम और चेंगलपट्टू जिलों में अवैध शराब पीने से 22 लोगों की मौत हुई थी। एक ही राज्य में लगातार दो वर्षों में ऐसी घटनाओं का सामने आना इस बात का प्रमाण है कि समस्या किसी एक गांव, एक शराब विक्रेता या एक स्थानीय गिरोह तक सीमित नहीं है। यह उस आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा है जिसमें अवैध उत्पादन, रसायनों का दुरुपयोग, वितरण स्थानीय संरक्षण और मांग,सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

साथियों, गुजरात स्वयं इस संकट से बार-बार जूझता रहा है।जुलाई 2022 में बोटाद और आसपास के क्षेत्रों में जहरीली शराब की त्रासदी में सरकारी आंकड़ों के अनुसार मृतकों की संख्या 42 तक पहुंची थी।उस मामले में औद्योगिक मेथनॉल के इस्तेमाल की बातसामने आई थी और शुरुआती जांच में यह भी बताया गया था कि रासायनिक पदार्थ को शराब के रूप में इस्तेमाल किया गया। यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि मेथनॉल कोई सामान्य शराब नहीं है; यह औद्योगिक रसायन है और मानव शरीर में जाने पर गंभीर विषाक्तता,दृष्टि-हानि, अंगों की विफलता और मृत्यु तक का कारण बन सकता है। इसलिए जहरीली शराब की त्रासदी को केवल 'नकली शराब' कहकर समाप्त कर देना समस्या की वास्तविक गंभीरता को कम करके देखना होगा।गुजरात के इतिहास में इससे भी बड़ी त्रासदी जुलाई 2009 में सामने आई थी,जब अहमदाबाद में जहरीली शराब के सेवन से 136 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंचे थे। उस घटना के बाद अवैध शराब नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई और कानून को और कठोर बनाने की चर्चा हुई। लेकिन डेढ़ दशक से अधिक समय बाद भी 2022 और अब 2026 की घटनाएं यह पूछने के लिए मजबूर करती हैं कि क्या केवल कठोर कानून बनाना पर्याप्त है, अथवा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी प्रशासनिक प्रणाली को पुनर्गठित करने की आवश्यकता है?

K K

# राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 22 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

## प्रधानमंत्री ने निःस्वार्थ सेवा और समर्पण को बताया राष्ट्र निर्माण की प्रेरक शक्ति

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नदियों के अविरल प्रवाह को मानवता की सेवा और परोपकार की प्रेरणा बताते हुए कहा है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं, समय और संसाधनों का उपयोग दूसरों के कल्याण के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नि:स्वार्थ सेवा, समर्पण और परोपकार की भावना राष्ट्र को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को एक संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए मानव जीवन को परोपकार और लोककल्याण के लिए समर्पित करने का संदेश दिया। उन्होंने लिखा—

जीवनं स्वं परार्थाय नित्यं यच्छत मानवा:।
इति सन्देशमाख्यातुं समुद्रं यान्ति निम्नगा:॥

इस सुभाषित के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि मनुष्य को अपना जीवन दूसरों की सेवा और कल्याण के लिए समर्पित करना चाहिए। जिस प्रकार नदियां निरंतर प्रवाहित होते हुए अपने मार्ग में आने वाले असंख्य जीवों और मानव समाज के लिए जीवन का आधार बनती हैं तथा अंतत: समुद्र में विलीन हो जाती हैं, उसी प्रकार मनुष्य को भी अपनी क्षमताओं का उपयोग लोकहित में करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि नदियों का अविरल प्रवाह हमें यह सीख देता है कि हमारा सामर्थ्य केवल व्यक्तिगत हित तक सीमित नहीं होना चाहिए। समय, प्रतिभा, श्रम और संसाधनों का उपयोग समाज और मानवता की भलाई के लिए किया जाना चाहिए।

## पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की चेतावनी- पाकिस्तान नहीं, लंबे समय में चीन हमारी सबसे बड़ी चुनौती

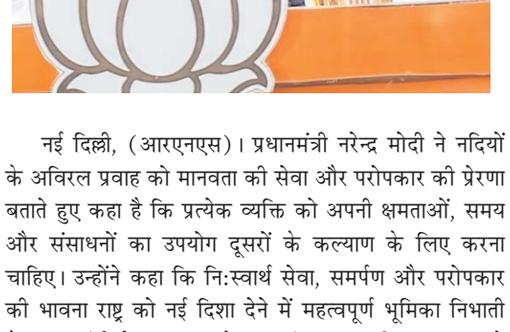

नईदिल्ली, (आरएनएस)। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर नया और दूरदर्शी आंकलन किया है। अपनी नई किताब के विमोचन पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से खतरा आतंकवाद की वजह से बना रहता है, लेकिन लंबे समय में चीन भारत का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी होगा। उन्होंने कहा कि चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार और सैन्य क्षेत्र में मुकाबला करेगा। नरवणे ने यह भी कहा कि अगर आप शांति चाहते हैं तो युद्ध के लिए तैयार रहिए।

जनरल नरवणे अपनी नई किताब द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड: अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान और चीन दोनों अलग तरह की चुनौतियां हैं। भारत ने दोनों देशों के साथ जंग लड़ी है और दोनों के साथ सीमा विवाद अभी तक सुलझा नहीं है, इसलिए दोनों देश हमेशा खतरे के तौर पर रडार पर बने रहेंगे। चीन के मामले में चुनौती ज्यादा व्यापक है। नरवणे ने कहा, हमने पाकिस्तान के साथ कई बड़े युद्ध लड़े हैं और आतंकवाद को उनके निरंतर समर्थन के कारण, हमारा ध्यान हमारी पश्चिमी सीमाओं पर केंद्रित है। लेकिन मुझे लगता है कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं कि लंबे समय में और आने वाले वर्षों में चीन हमारा मुख्य प्रतिद्वंद्वी होगा।उन्होंने आगे कहा, और मैंने जानबूझकर प्रतिस्पर्धी शब्द का प्रयोग किया है, न कि दुश्मन शब्द का।नरवणे ने इस बात पर बल दिया कि भारत को ताकत का इस्तेमाल करने के बजाय बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों से चीन के साथ मतभेद सुलझाने का प्रयास करना चाहिए।उन्होंने कहा, बल प्रयोग का सहारा लेना हमेशा आखिरी प्राथमिकता होनी चाहिए। दोनों देशों के बीच जिन मुद्दों पर मतभेद हैं, उन्हें बातचीत और कूटनीतिक तंत्र के जरिए संभालना ज्यादा बेहतर है।

## प्रादेशिक सेना ने 'टेरियर साइबर क्वेस्ट 2026' का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रादेशिक सेना ने साइबरपीस के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के हैकाथॉन 'टेरियर साइबर क्वेस्ट 2026' (टीसीक्यू 3.0) की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य रक्षा, साइबर सुरक्षा और सूचना संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए नवीन एवं स्वदेशी तकनीकी समाधान विकसित करना है।

टेरियर साइबर क्वेस्ट के तीसरे संस्करण के माध्यम से भारतीय सेना शिक्षा जगत, उद्योग, अनुसंधान संस्थानों, सरकारी संगठनों और सशस्त्र बलों से जुड़ी तकनीकी प्रतिभाओं को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास कर रही है। प्रतियोगिता में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, खतरा प्रबंधन और डिजिटल जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के लिए देश में ही तकनीकी क्षमताओं और समाधान विकसित करने को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया की साइबर और डिजिटल चुनौतियों से संबंधित नवीन समाधान प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।टेरियर साइबर क्वेस्ट 2026 को तीन प्रमुख प्रतिस्पर्धी श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा। बग हंटिंग: यह साइबर सुरक्षा आधारित चुनौती होगी, जिसकी शुरुआत ऑनलाइन 'कैप्चर-द-फ्लैग' योग्यता चरण से होगी और इसका समापन लाइव सैंडबॉक्स फाइनल में होगा।

# देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-एनसीआर में उमस से राहत के आसार

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश के कई हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय बना हुआ है। इसके चलते जहां कुछ राज्यों में उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है, वहीं कई इलाकों में भारी बारिश, बाढ़ और जलभराव ने परेशानी बढ़ा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर राज्यों तथा अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

मौसम में यह बदलाव उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उसके आसपास बने कम दबाव के क्षेत्र तथा उससे जुड़े चक्रवाती परिसंचरण के कारण हुआ है। इसके अलावा मानसून की द्रोणिका भी इसी क्षेत्र से होकर गुजर रही है। यह द्रोणिका फिरोजपुर और मेरठ से होते हुए पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से मध्य, उत्तर और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। उत्तराखंड में

भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने संवेदनशील और जोखिम वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। भारी बारिश के कारण पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन, सड़क बाधित होने और अन्य समस्याओं का खतरा बना हुआ है। जिला प्रशासन ने भी कहा है कि यदि परिस्थितियां असुरक्षित होती हैं तो लोगों की सुरक्षा को देखते हुए विद्यालयों को बंद करने का निर्णय लिया जा सकता है।केरल में मानसून का प्रभाव बना हुआ है। तटीय क्षेत्रों में भी खराब मौसम और ऊंची लहरों को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। बाढ़ और समुद्र में ऊंची लहरों के खतरे वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को स्थानीय प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने और मौसम संबंधी ताजा जानकारी पर नजर रखने की सलाह दी गई है।जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार इन क्षेत्रों में सप्ताहभर मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।कोंकण और गोवा में पूरे सप्ताह व्यापक बारिश की संभावना जताई गई है। तटीय कर्नाटक में भी कई स्थानों पर अच्छी बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और आंधी आने की आशंका है। मौसम विभाग ने अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में भी खराब मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को मौसम मिला-जुला रहने का अनुमान है। कुछ समय धूप निकलने के साथ ही आसमान में बादल छाए रह सकते हैं।

## चीनी 2 महीने में 40 प्रतिशत महंगी हुई, अब सरकार ने आयात टैक्स मुक्त किया

नईदिल्ली,(आरएनएस)। देश में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 10 लाख मीट्रिक टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दे दी है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, यह आयात 31 अक्टूबर तक किया जा सकेगा। साथ ही देश में चीनी की कमी रोकने के लिए निर्यात पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। यह रोक 30 सितंबर, 2026 तक लागू रहेगी।

अधिसूचना के मुताबिक, टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) प्रणाली के तहत 31 अक्टूबर, 2026 तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी गई है।

सरकार ने बड़े उपभोक्ताओं द्वारा रखे गए चीनी भंडार पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि जो थोक उपभोक्ता प्रति माह 10 टन से ज्यादा चीनी का उपयोग करते हैं, उन्हें 15 दिनों से अधिक की खपत के लिए चीनी का भंडार रखने की अनुमति नहीं होगी।सरकार ने कुछ और नियम बदले हैं। टीआरक्यू के तहत आयात की गई कच्ची चीनी से तैयार रिफाइंड चीनी को 31 अक्टूबर तक घरेलू बाजार में बेचना जरूरी होगा।जो थोक खरीदार महीने में 10 टन से ज्यादा चीनी इस्तेमाल करते हैं, उन्हें 15 दिन से ज्यादा स्टाक रखने की इजाजत नहीं होगी। पहले ये अनुमति 30 दिन के लिए थी। खुदरा बाजार में चीनी फिलहाल 65 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 46.34 रुपये प्रति किलो थी।

## भारत-नेपाल सीमा पर अतिक्रमण का ड्रोन से होगा सर्वेक्षण, तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और नेपाल ने अपनी 1,880 किलोमीटर लंबी खुली सीमा से जुड़े अतिक्रमण और सीमा पार कब्जे के मामलों के दस्तावेजीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दोनों देश सीमा पर स्थित 10 गज चौड़ी निर्जन भूमि की पट्टी, जिसे दासगजा या नो-मैन्स लैंड कहा जाता है, से लगे अतिक्रमणों का मानचित्रण करने के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करने पर सहमत हुए हैं। इस प्रक्रिया के तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार जमीन पर किए गए कब्जों का भी दस्तावेज तैयार किया जाएगा।

यह फैसला पिछले सप्ताह लखनऊ में हुई सर्वेक्षण अधिकारी समिति की 13वीं बैठक में लिया गया। समिति में नेपाल के सर्वेक्षण विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा क्षेत्रों में अतिक्रमण और सीमा पार कब्जे की स्थिति का तकनीकी तरीके से आकलन करने पर सहमति जताई।

इसके तहत उन क्षेत्रों की ड्रोन से तस्वीरें और अन्य आंकड़े जुटाए जाएंगे, जहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास अतिक्रमण या सीमा पार कब्जे की शिकायतें हैं। दोनों देशों के अधिकारी मिलकर ऐसे स्थानों की पहचान करेंगे और उनके आधार पर तकनीकी मूल्यांकन तैयार करेंगे।नेपाल के सर्वेक्षण विभाग के उपनिदेशक सुशील डांगोल के अनुसार, सीमा पार कब्जे के मानचित्रण को तीन वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

## विशाखापट्टनम में होमवर्क न करने पर शिक्षक ने 6 वर्षीय छात्र को थप्पड़ मारा, बच्चे की मौत

विशाखापट्टनम,(आरएनएस)। आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम के एक स्कूल में 6 वर्षीय छात्र की रहस्यमयी मौत ने सबको चौंका दिया है। स्कूल में शिक्षिका ने होमवर्क न करने पर बच्चे को थप्पड़ मारा था, तभी बच्चे की तुरंत मौत हो गई। घटना गुरुवार को वन टाउन पुलिस थाना क्षेत्र में स्थित लिटिल गार्डन प्राइवेट स्कूल में सुबह 11 बजे घटी है। मृतक बच्चा तमन्ना प्रणय तेज यूकेजी का छात्र था। उसके पिता तमन्ना कृष्ण प्रसाद पेशे से रसोइया और मां गृहिणी हैं।

प्रणय गुरुवार को स्कूल गया था। यहां महिला शिक्षक बच्चों का होमवर्क चेक कर रही थीं। प्रणय ने शिक्षिका को खाली स्लेट दिखाई, जिसके बाद वह बच्चे को डांटने लगीं।

कक्षा में लगे सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि शिक्षिका ने बच्चे को अपनी ओर खींचा, उसकी कमीज के बटन खोले और उसे थप्पड़ मारा।

बच्चा कुछ सेकेंड स्थिर रहा, बाद में शिक्षिका की गोद में गिर गया। शिक्षिका ने उसे उठाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं उठा।

प्रणय के बेहोश होने पर स्कूल कर्मचारी उसे पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, प्रणय के माता-पिता को दोपहर 1 बजे घटना की जानकारी दी गई।

प्रणय की मां ने बताया कि उनका बेटा गुरुवार को होमवर्क पूरा न करने की वजह से स्कूल नहीं जा रहा था, लेकिन उनके मजबूर करने पर उसने हिम्मत दिखाई और स्कूल गया। परिवार 2 दिन पहे ही तिरुपति की तीर्थयात्रा से लौटा था।

# जयपुर के गांव में स्कूल देखने पहुंचे सीजेपी के कार्यकर्ताओं से मारपीट, भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में जयपुर के एक गांव में सरकारी स्कूल की हालत देखने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के लोगों को विरोध का सामना करना पड़ा। उनको लोगों ने घेरकर मारपीट की और दौड़ाकर पीटा। घटना बगरू के रामपुरा-कंवरपुरा गांव की है। यहां सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूल को देखने पहुंचे थे। रांका का आरोप है कि भाजपा के लोगों ने उनके साथियों को दौड़ाया और पत्थर बरसाए। उनके साथ मारपीट की गई।

रांका ने घटना का वीडियो साझा कर एक्स पर लिखा, आज घृणा की सारी हदें पार हो गई हैं। रामपुरा, कंवरपुरा में पिछले काफी सालों से स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा है। लेकिन जब हम वहां निरीक्षण करने पहुंचे तो सरेआम मारपीट, पत्थरबाजी की गई। कारों के शीशे फोड़े गए, टीम पर पत्थर बरसाये गए। कपड़े फाड़े गए। ट्यूब में पत्थर डालकर टीम को मारा गया। मेरे कपड़े फाड़े गए।

रांका ने आगे लिखा कि यह सब राजस्थान के शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के कहने पर हुआ है।

रांका ने लिखा, मदन दिलावर को बच्चे भैंसों के तबेले में पढ़ते रहे, यह मंजूर है। लेकिन स्कूल ठीक हो जाये, यह मंजूर नहीं। मदन दिलावर जी- आपने आज गुंडे भेजकर पूरे देश में राजस्थान को शर्मसार कर दिया। लेकिन हम इस गुंडागर्दी से डरने वाले लोग नहीं है। स्कूल तो ठीक कराने ही होंगे।

## उत्तर प्रदेश में पान मसाला और तंबाकू के अवैध उत्पादन नेटवर्क का भंडाफोड़, 185 करोड़ की कर चोरी उजागर

नई दिल्ली (आरएनएस)। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की लखनऊ क्षेत्रीय इकाई ने उत्तर प्रदेश के चित्रकूट और बांदा जिलों में पान मसाला, सुगंधित जर्दा और गुटखा के अवैध उत्पादन से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। छह उत्पादन परिसरों में की गई कार्रवाई के दौरान 27 अघोषित पाउच-पैकिंग मशीनें जब्त की गईं और करीब 185 करोड़ रुपये की जीएसटी, स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा (एचएसएनएस) उपकर तथा केंद्रीय उत्पाद शुल्क की चोरी का पता चला है।

डीजीजीआई अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर 18 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि के आसपास चित्रकूट और बांदा स्थित छह परिसरों में एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया। ये परिसर दो फर्मों से जुड़े पाए गए। इनमें से एक पान मसाला एवं संबंधित उत्पादों के उत्पादन, जबकि दूसरी व्यापारिक गतिविधियों में शामिल थी।

27 अघोषित मशीनें मिलीं

तलाशी के दौरान अधिकारियों को 27 ऐसी पाउच-पैकिंग मशीनें मिलीं, जिनका घोषित उत्पादन व्यवस्था में उल्लेख नहीं था। इनमें सुगंधित जर्दा के लिए छह, पान मसाला के लिए नौ और दोहरा/देसी गुटखा के लिए 12 मशीनें शामिल हैं। इसके अलावा मिश्रण, सुपारी की कुटाई और सुखाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें भी बरामद की गईं।

# दिल्ली-एनसीआर में पिछले साल के मुकाबले 6 गुना बढ़े स्वाइन फ्लू के मरीज, सांस की शिकायत

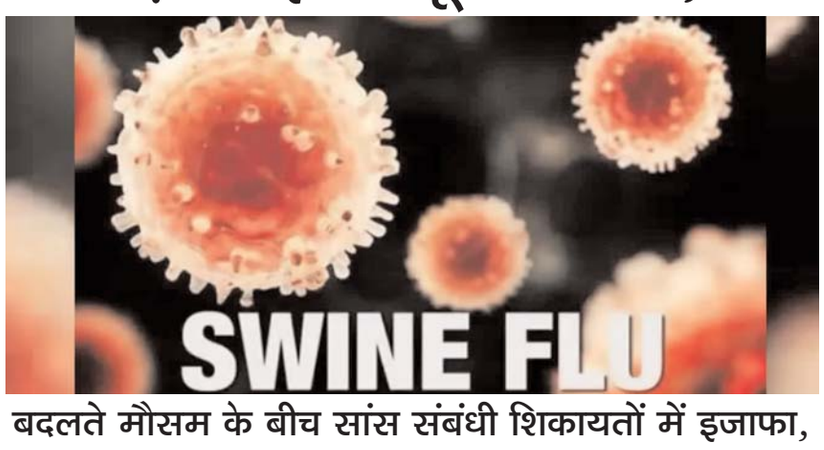


## बदलते मौसम के बीच सांस संबंधी शिकायतों में इजाफा, संवेदनशील लोगों को सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बदलते मौसम के बीच राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में एच1एन1 संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी सामने आई है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 12 अगस्त तक एच1एन1 के 1,449 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की इसी अवधि में सामने आए 229 मामलों की तुलना में करीब छह गुना अधिक है। अकेले 11 अगस्त को 63 नए मामले सामने आए। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में संक्रमण का असर आम लोगों के साथ-साथ चिकित्सकों पर भी दिखाई दे रहा है। कई चिकित्सकों और एक सरकारी अस्पताल के प्रमुख के भी एच1एन1 से संक्रमित होने की जानकारी सामने आई है। अस्पतालों में सर्दी-जुकाम और सांस से जुड़ी शिकायतों वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए दिल्ली के सरकारी अस्पतालों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा है कि दिल्ली सरकार के अस्पताल स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। राम मनोहर लोहिया अस्पताल और सफदरजंग अस्पताल में संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए विशेष एवं अलग वार्ड बनाए गए हैं।

चिकित्सकों के अनुसार, कुछ मरीजों में सांस लेने में परेशानी और रक्त में ऑक्सीजन का स्तर कम होने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। हालांकि, फिलहाल स्थिति गंभीर स्तर तक नहीं पहुंची है। चिकित्सकों ने लक्षणों को नजरअंदाज न करने और समय पर उपचार लेने की सलाह दी है।

चिकित्सकों ने बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।सर्दी-जुकाम, बुखार या अन्य लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श करने की सलाह दी गई है। संक्रमण की आशंका होने पर समय पर जांच और उपचार से जटिलताओं से बचा जा सकता है।दिल्ली में एच1एन1 का संक्रमण पहले भी गंभीर रूप ले चुका है। वर्ष 2019 में राजधानी में एच1एन1 के 3,637 मामले दर्ज किए गए थे और संक्रमण के कारण 31 लोगों की मौत हुई थी। ऐसे में मौजूदा बढ़ोतरी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों की तैयारियों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

## हैदराबाद में तेज रफ्तार एस्टन मार्टिन ने ली 26 वर्षीय महिला की जान, राज्यसभा सांसद के बेटे पर मामला दर्ज

हैदराबाद,(आरएनएस)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में आंध्र प्रदेश के राज्यसभा सांसद लिंगमनेनी रमेश के बेटे लिंगमनेनी संजुश को आरोपी बनाया गया है। संजुश पर आरोप है कि उन्होंने अपनी एस्टन मार्टिन कार से 26 वर्षीय भारती मुखी को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को नोटिस जारी किया है।

भारती मुखी हैदराबाद के माधापुर इलाके में स्थित इनऑर्बिट मॉल के एक परिधान स्टोर में बिक्री कार्यकारी के पद पर कार्यरत थीं। 16 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे वह भोजन करने के लिए पास के एक होटल गई थीं। भोजन के बाद वापस मॉल लौटते समय वह सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एस्टन मार्टिन कार ने उन्हें टक्कर मार दी।

हादसे के बाद भारती को उसी कार से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद स्टोर प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। लिंगमनेनी रमेश आंध्र प्रदेश के राज्यसभा सांसद हैं और जनसेना पार्टी से जुड़े हुए हैं। 53 वर्षीय रमेश पेशे से व्यवसायी हैं और उनका कारोबार रियल एस्टेट, निर्माण तथा बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से जुड़ा है। वह वर्ष 2015 से जनसेना पार्टी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के साथ जुड़े हुए हैं। इसी वर्ष वह राज्यसभा पहुंचे हैं।चुनावी हलफनामे के अनुसार, रमेश की घोषित कुल संपत्ति करीब 213.4 करोड़ रुपये है, जबकि उनकी देनदारियां लगभग 85.6 करोड़ रुपये बताई गई हैं। उनके खिलाफ कुल नौ आपराधिक मामले लंबित हैं, हालांकि किसी मामले में उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया है।

## अलास्का में चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त, 8 लोगों की मौत; दो पायलट और छह यात्री थे सवार

वॉशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के अलास्का राज्य में शुक्रवार को एक चार्टर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में दो पायलट और छह यात्री शामिल हैं। दुर्घटना पश्चिमी अलास्का के एक दूरस्थ इलाके में केप न्यूएनहैम लंबी दूरी के रडार केंद्र के पास हुई।

संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक, सेसना 441 विमान ने अलास्का के एंकरेज से उड़ान भरी थी। विमान करीब 450 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित केप न्यूएनहैम की ओर जा रहा था। इसी दौरान यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।अलास्का कमांड ने बताया कि विमान एक नागरिक अनुबंधित उड़ान पर था। खोज और बचाव दल ने घटनास्थल पर पहुंचने के बाद पुष्टि की कि विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं बचा।अधिकारियों के अनुसार, विमान केप न्यूएनहैम हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। यह हवाई पट्टी वायुसेना की सुविधा का हिस्सा है और लंबी दूरी के रडार केंद्र तक पहुंच उपलब्ध कराती है। केप न्यूएनहैम की इस सुविधा पर केवल सैन्य विमानों और अधिकृत चार्टर उड़ानों को उतरने की अनुमति है। दूरस्थ क्षेत्र होने के कारण दुर्घटनास्थल तक पहुंचना भी बचाव दल के लिए चुनौतीपूर्ण रहा।हादसे की जांच संघीय विमानन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड द्वारा की जाएगी। संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, जांच का नेतृत्व राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड करेगा।बचाव और राहत अभियान में अलास्का बचाव समन्वय केंद्र, अलास्का राज्य पुलिस और अमेरिकी तटरक्षक बल के दल भी शामिल रहे।अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। विमान की उड़ान से जुड़ी परिस्थितियों और हादसे से पहले उसकी स्थिति की भी जांच की जाएगी। अधिकारियों ने इससे पहले कहा था कि उन्हें विमान में सवार लोगों के बारे में तत्काल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। बाद में खोज और बचाव दल ने सभी आठ लोगों की मौत की पुष्टि की। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों और विमान के अंतिम क्षणों से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

## इमरान खान को चिकित्सा जांच के बाद फिर अडियाला जेल में डाला गया

इस्लामाबाद (आरएनएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद के शिफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल में कुछ देर की चिकित्सा जांच के बाद वापस अडियाला जेल भेज दिया गया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टरों द्वारा खान की स्थिति का आकलन करने और उन्हें हिरासत में रखना सुरक्षित पाए जाने के बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। इस दौरान अस्पताल के बाहर भारी सुरक्षा बल मुस्तैद रहा।पार्टी के प्रवक्ता ने बताया कि 73 वर्षीय संस्थापक को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आधी रात के आसपास चिकित्सा मूल्यांकन के लिए अस्पताल ले जाया गया और शुक्रवार तड़के जेल वापस ले आए।सूत्रों ने बताया कि इमरान को अस्पताल लाते समय अडियाला जेल से अस्पताल तक आवाजाही बेहद कड़ी सुरक्षा के बीच की गई।चिकित्सकीय जांच के बाद, इमरान को वापस जेल ले जाया गया और अब उन्हें उनकी कोठरी में स्थानांतरित कर दिया गया है। पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान के परिवार की याचिका पर 18 अगस्त को फैसला सुनाया था और उनको शिफा अस्पताल में 16 सितंबर तक चिकित्सीय बोर्ड की निगरानी में रखने को कहा था।

# अंतरिक्ष में दबदबा बनाए रखने की तैयारी में ट्रंप, हर साल एक हजार से ज्यादा लॉन्च-रीएंट्री का लक्ष्य

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2030 तक अमेरिका की धरती से हर साल एक हजार से ज्यादा स्पेस लॉन्च और री-एंट्री कराने का अभियान शुरू किया है। इसका मकसद अमेरिका की कमर्शियल स्पेस अर्थव्यवस्था को बढ़ाना और अंतरिक्ष में उसकी बढ़त को चुनौती देने वाले देशों का मुकाबला करना है।ट्रंप ने एक नेशनल सिक्योरिटी प्रेसिडेंशियल मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत व्हाइट हाउस के अनुसार पुरानी हो चुकी अंतरिक्ष परिवहन नीति को बदलकर एक 'अमेरिका फर्स्ट' नीति लागू की गई है। इसका फोकस अंतरिक्ष तक भरोसेमंद, किफायती और आधुनिक पहुंच सुनिश्चित करना है।नई नीति का लक्ष्य अमेरिका के अंतरिक्ष परिवहन उद्योग को ज्यादा प्रतिस्पर्धी और मजबूत बनाना है। इसके तहत सरकारी एजेंसियां और निजी कंपनियां मिलकर लॉन्च इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करेंगी और नए अंतरिक्ष सिस्टम लॉन्च करने की लागत कम करने पर काम करेंगी। संघीय एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे निजी क्षेत्र के साथ मिलकर अंतरिक्ष परिवहन से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करें। साथ ही परमिट जारी करने और पर्यावरणीय समीक्षा की प्रक्रियाओं को भी तेज किया जाएगा।

परिवहन और आंतरिक मामलों के सचिव, युद्ध सचिव और

नासा एडमिनिस्ट्रेटर के साथ मिलकर ऐसे स्थानों की पहचान करेंगे जहां नए अंतरिक्ष परिवहन ढांचे विकसित किए जा सकें। इनमें नए लॉन्च और रीएंट्री केंद्र भी शामिल हो सकते हैं।मेमोरेंडम में कहा गया है कि महत्वपूर्ण लॉन्च मार्गों के लिए विशेष एयरस्पेस निर्धारित किया जाए।

अंतरिक्ष परिवहन गतिविधियों को अमेरिकी एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के आधुनिकीकरण की व्यापक योजना में भी शामिल किया जाएगा।व्हाइट हाउस के विज्ञान और प्रौद्योगिकी सलाहकार विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर अंतरिक्ष परिवहन उद्योग के लिए एक संयुक्त रणनीति तैयार करेंगे। इसमें खरीद प्रक्रिया, अंतरिक्ष सुरक्षा नीतियां और इस उद्योग के लिए आवश्यक कार्यबल से जुड़े मुद्दे शामिल होंगे।

विदेश और वाणिज्य सचिवों को निर्देश दिया गया है कि वे अमेरिकी अंतरिक्ष परिवहन कंपनियों के लिए विदेशी बाजारों में पहुंच बढ़ाने का काम करें और अमेरिकी तकनीक व मानकों को अपनाने के लिए दूसरे देशों को प्रोत्साहित करें।

नासा को चंद्रमा तक आने-जाने के लिए व्यावसायिक परिवहन सेवाओं को बढ़ावा देने का निर्देश दिया गया है। साथ ही वह मंगल ग्रह तक रोबोटिक मिशनों के लिए निजी कंपनियों की मदद करेगा और इंसानों को मंगल तक ले जाने और वापस लाने के लिए निजी विकल्पों की भी जांच करेगा।मेमोरेंडम के अनुसार युद्ध सचिव को मौजूदा और संभावित मिशनों के लिए अंतरिक्ष के भीतर परिवहन सेवाओं के उपयोग को बढ़ाने और विस्तार देने का काम सौंपा गया है। व्हाइट हाउस का कहना है कि यह विस्तार इसलिए जरूरी है, क्योंकि अमेरिका के प्रतिद्वंद्वी देश अंतरिक्ष में उसकी बढ़त को चुनौती दे रहे हैं।

## कनाडा पुलिस ने दो खालिस्तान समर्थकों को भेजे सतर्कता पत्र, आपराधिक गतिविधियों वाली जगहों से दूर रहने की सलाह

ओटावा (आरएनएस)। कनाडा की पुलिस ने खालिस्तान समर्थक इंदरजीत सिंह गोसल और मनजिंदर सिंह को सतर्क रहने संबंधी पत्र भेजे हैं। दोनों को आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी जगहों और संदिग्ध गतिविधियों से दूर रहने की सलाह दी गई है। पुलिस की ओर से जारी इन पत्रों को लेकर कनाडा में खालिस्तान समर्थक गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा फिर तेज हो गई है। इंदरजीत सिंह गोसल कनाडा में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह का आयोजन करने वाले संगठन सिख फॉर जस्टिस का समन्वयक बताया जाता है। गोसल का मानना है कि पुलिस की ओर से भेजी गई चेतावनी का संबंध 18 अक्टूबर को एडमंटन में प्रस्तावित जनमत संग्रह से हो सकता है। गोसल वर्ष 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद सिख फॉर जस्टिस का कनाडा समन्वयक बना था। निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था।हरदीप सिंह निज्जर की वर्ष 2023 में कनाडा में हत्या कर दी गई थी। उस समय कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस हत्या के मामले में भारत की संभावित भूमिका के आरोप लगाए थे। भारत ने इन आरोपों को खारिज किया था और उन्हें निराधार बताया था।

## बलोचिस्तान में पाक सेना के ड्रोन हमले में चार मजदूरों की मौत, सरनान शहर पर विद्रोहियों का नियंत्रण

इस्लामाबाद, (आरएनएस)। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में सेना के ड्रोन हमले में चार मजदूरों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। इस बीच पाकिस्तान की सेना का बलोचिस्तान के विद्रोहियों के साथ सशस्त्र संघर्ष और तेज हो गया है। विद्रोहियों ने सेना और पुलिस के नियंत्रण से एक शहर को छुड़ाने का दावा किया है।द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार ड्रोन हमला गुरुवार शाम मस्तुंग जिले के खड़कोचा के गीत इलाके में गार्डन में किया गया। इस हमले में गार्डन में काम कर रहे चार मजदूरों की मौके पर मौत हो गई और तीन मजदूर घायल हो गए। मृतकों के नाम गुल खान मुघीरी, इमरान, उबैदुल्लाह और जहानजेब अबारो हैं। तीनों घायलों अली रजा मेंगल, नसीबुल्लाह अब्रो और खालिद हुसैन को शहीद नवाब घोस बख्श रायसानी हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। इस बीच बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के प्रवक्ता जैंद बलूच ने कहा कि गुरुवार को विद्रोहियों ने पशिन के सरनान शहर पर अपना पूरा नियंत्रण कर लिया। पुलिस स्टेशन और सरकारी दफ्तर अब बीएलए के नियंत्रण में हैं। इस दौरान एक पुलिस स्टेशन को विद्रोहियों ने विस्फोटक से उड़ा दिया। रिपोर्ट के अनुसार कल शाम हथियारों से लैस बड़ी संख्या में बलोच स्वतंत्रता सेनानी सरनान में घुसे। सेनानियों ने दो अधिकारियों को भी हिरासत में लेकर बाद में उन्हें छोड़ दिया।

# फीचर

## मुंह का स्वाद कड़वा क्यों हो जाता है? जानिए 5 कारण

मुंह का कड़वा स्वाद एक आम समस्या है, जिसे कई लोग अनुभव करते हैं। यह समस्या न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय हो सकती है, बल्कि आपके दिन की शुरुआत और खत्म होने का मजा भी बिगाड़ सकती है। इस लेख में हम कुछ प्रमुख कारणों पर चर्चा करेंगे, जिनके कारण मुंह का स्वाद कड़वा हो सकता है, ताकि आप सही समय पर उपाय कर सकें और इस समस्या से राहत पा सकें।

### कुछ दवाओं का सेवन

कुछ दवाओं का सेवन भी मुंह के कड़वे स्वाद का कारण बन सकता है, जैसे कि कुछ एंटी-एलर्जी की दवाएं या मन के तनाव को कम करने वाली दवाएं।

इन दवाओं के कारण मुंह सूख सकता है या पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे कड़वाहट होती है। अगर आप नियमित रूप से कोई दवा ले रहे हों तो अपने डॉक्टर से सलाह लें और उनकी सलाह अनुसार दवा बदलवाएं या उसकी मात्रा कम करवाएं।

### जीभ की सफाई का ध्यान न रखना

जीभ की सफाई का ध्यान न रखना मुंह के कड़वे स्वाद का एक बड़ा कारण हो सकता है। अक्सर लोग ब्रश करते समय जीभ को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बैक्टीरिया और गंदगी जमा हो जाती है।इससे मुंह में कड़वाहट महसूस हो सकती है। इसलिए रोजाना ब्रश करते समय जीभ को भी साफ करें। इसके लिए आप नरम ब्रश का उपयोग कर सकते हैं और हल्के हाथों से जीभ को साफ करें।

### दांतों की समस्याएं

दांतों की समस्याएं जैसे कि दांतों में कीड़े लगना, मसूड़ों की सूजन या दांतों में दर्द भी मुंह के कड़वे स्वाद का कारण बन सकती हैं।इन समस्याओं के कारण बैक्टीरिया पनपते हैं, जो कड़वाहट पैदा करते हैं। इसलिए नियमित रूप से दंत चिकित्सक से जांच करवाना जरूरी है ताकि इन समस्याओं का समय रहते पता चल सके और उनका इलाज हो सके।इसके अलावा दांतों की सफाई पर भी विशेष ध्यान दें।

### पाचन तंत्र की खराब स्थिति

पाचन तंत्र की खराब स्थिति भी मुंह के कड़वे स्वाद का एक अहम कारण हो सकती है। जब पाचन तंत्र सही तरीके से काम नहीं करता तो पेट में एसिड बढ़ने लगता, जो कड़वाहट पैदा करता है।इसके अलावा खट्टी-मीठी चीजों का सेवन भी इस समस्या को बढ़ा सकता है। इसलिए पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार लें और नियमित रूप से पानी पिएं। साथ ही ताजे फलों और सब्जियों का सेवन करें।

### धूम्रपान और शराब का सेवन

धूम्रपान और शराब का सेवन न केवल आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है बल्कि ये मुंह में भी कड़वाहट पैदा कर सकता है।

तंबाकू और शराब के कारण मुंह में सूखापन आता है, जिससे बैक्टीरिया पनपते हैं और कड़वाहट महसूस होती है। इसलिए इन आदतों को छोड़ना जरूरी है ताकि आपके मुंह की स्थिति बेहतर हो सके और आप स्वस्थ रह सकें।इसके अलावा धूम्रपान और शराब का सेवन कम करने के लिए चिकित्सा सहायता लें।

## रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी दीपिका पादुकोण? अयान मुखर्जी कर रहे तैयारी

दीपिका पादुकोण इस वक्त अल्लू अर्जन की आगामी फिल्म राका में व्यस्त चल रही हैं। उधर अभिनेता रणबीर कपूर भी अपनी आगामी पौराणिक फिल्म रामायण को रिलीज करने की तैयारी में जुटे हैं। इस परियोजना के बाद, अभिनेता ब्रह्मास्त्र भाग 2 की शूटिंग शुरू करेंगे जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। हालिया अपडेट है कि फिल्म में दीपिका शामिल हो सकती हैं। निर्माता फिल्म में अमृता का किरदार निभाने के लिए उनसे बातचीत कर रहे हैं।

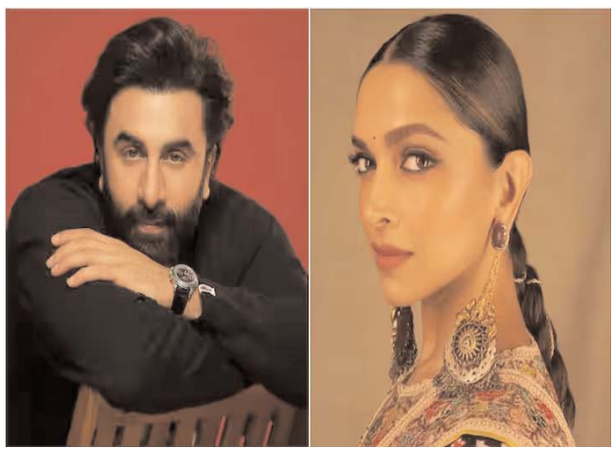

रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि ब्रह्मास्त्र भाग 2 के निर्माता फिल्म में दीपिका को शामिल करने का मन बना रहे हैं।

उन्होंने कहा, अयान मुखर्जी और मुख्य टीम दीपिका को इस परियोजना में शामिल करने को लेकर आश्वस्त हैं, क्योंकि वे समझते हैं कि अमृता की भूमिका के लिए एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जिसमें अपार गंभीरता हो। बातचीत जारी है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि समय-सीमा के तालमेल पर निर्भर करेगी।

सूत्र के अनुसार, रामायण 2 की शूटिंग जनवरी, 2027 तक पूरी करने के बाद, रणबीर ब्रह्मास्त्र 2 की शूटिंग में जुट जाएंगे।

उन्होंने कहा, रणबीर इस सफर को दोबारा शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। दोहरी भूमिका की इस बड़ी चुनौती में, रणबीर सीक्वल में देव और शिव दोनों का किरदार निभाएंगे।

बता दें, ब्रह्मास्त्र पार्ट वन: शिवा 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज एक सुपरनैचुरल-पौराणिक फिल्म थी। इसमें रणबीर के साथ पहली बार आलिया भट्ट नजर आई थीं।

## रिया चक्रवर्ती बोलीं- देश में सबसे ज्यादा ट्रोलिंग मैंने सही है, दुनिया मुझे गद्दार मानती है

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती इन दिनों रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' में नजर आ रही हैं। वर्ष 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद रिया की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया था। मामले की जांच के दौरान रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था। बाद में मामले में रिया के खिलाफ आरोपों को लेकर उन्हें राहत मिली। अब शो के पांचवें एपिसोड में रिया ने बताया कि वह 'गद्दार' की भूमिका क्यों नहीं निभाना चाहतीं।

शो में श्वेता तिवारी के सवाल का जवाब देते हुए रिया ने कहा कि वह गद्दार नहीं बनना चाहतीं, क्योंकि दुनिया पहले ही उन्हें गद्दार मान चुकी है। उन्होंने कहा कि यह बात उनके निजी जीवन के अनुभवों से जुड़ी है।रिया के अनुसार, वह किसी मनोरंजन कार्यक्रम में आकर अपनी इच्छा से किसी की 'हत्या' जैसी भूमिका नहीं निभाना चाहतीं, क्योंकि इससे उनके खिलाफ फिर से नकारात्मक प्रतिक्रिया शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोग इस पर भी आपत्तिजनक मजाक और मीम बना सकते हैं।रिया ने खुद को देश में सबसे ज्यादा निशाना बनाए जाने वाली हस्तियों में से एक बताते हुए कहा कि वह फिर से उसी तरह के दौर से नहीं गुजरना चाहतीं।

रिया ने शो के अन्य प्रतिभागियों को भरोसा दिलाने की कोशिश की कि वह गद्दार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही है कि लोगों ने उन्हें गद्दार समझा, लेकिन बाद में उन्हें निर्दोष बताया गया।

## इन 5 ब्यूटी सीक्रेट्स को आजमाएं, महंगा दिखेगा आपका लुक

महंगा दिखना हर किसी की ख्वाहिश होती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप हर बार महंगे कपड़े या गहने पहनें। कुछ छोटे-छोटे ब्यूटी सीक्रेट्स और स्मार्ट टिप्स से आप बिना ज्यादा खर्च किए भी महंगी और आकर्षक दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे ही 5 आसान और प्रभावी ब्यूटी सीक्रेट्स बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप बिना किसी झंझट के हर मौके पर सबसे खूबसूरत दिखेंगी।

**सही मेकअप चुनें**

सही मेकअप का चुनाव आपके पूरे लुक को बदल सकता है। अगर आप चाहती हैं कि आपका चेहरा महंगा दिखे तो हल्का और प्राकृतिक मेकअप चुनें।फाउंडेशन हमेशा आपकी त्वचा के रंग से मेल खानी चाहिए ताकि चेहरे पर कोई अंतर न दिखे।लिपस्टिक का चुनाव भी सोच-समझकर करें। गहरे रंग की लिपस्टिक हमेशा महंगे और आकर्षक दिखती हैं।इसके अलावा आंखों के लिए हल्का काजल और मस्कारा लगाएं ताकि आंखें बड़ी और खूबसूरत लगें।

**बालों की देखभाल करें**

सुंदर और चमकदार बाल हमेशा महंगी दिखाते हैं। इसके लिए नियमित तौर पर तेल की मालिश करें और हफ्ते में कम से कम दो बार बाल धोएं। बालों के लिए मास्क भी बहुत

जरूरी है क्योंकि यह आपके बालों को पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है।इसके अलावा बालों को धूप से बचाने के लिए स्कार्फ या टोपी पहनें। यह न केवल आपके बालों को सुरक्षित रखेगा, बल्कि आपको स्टाइलिश भी दिखाएगा।

खुशबू का सही चयन करें

खुशबू भी आपके लुक को खास बना सकती है। एक अच्छी खुशबू आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती है और आपको पूरे दिन ताजगी का एहसास दिलाती है।

अपने शरीर की गंध को छिपाने के लिए खुशबू का इस्तेमाल करें, जिससे आप हमेशा महकती रहें। इसके अलावा खुशबू का सही चयन भी जरूरी है। हल्की और ताजगी भरी खुशबू का इस्तेमाल करें जो आपको दिनभर ताजगी दें और आपके व्यक्तित्व को निखारें।

**सही कपड़ों का चयन करें**

कपड़े चुनते समय उनकी फिटिंग पर ध्यान दें। अच्छे फिटिंग वाले कपड़े हमेशा महंगे और आकर्षक दिखते हैं। ढीले-ढाले कपड़े न पहनें क्योंकि वे आपको साधारण दिखा सकते हैं। इसके अलावा कपड़ों का रंग भी अहम होता है। गहरे रंग जैसे काला, नीला या लाल हमेशा महंगे दिखते हैं।इसके साथ ही सरल डिज़ाइन वाले कपड़े ज्यादा अच्छे लगते हैं क्योंकि वे आपके व्यक्तित्व को निखारते हैं और आपको अधिक आकर्षक बनाते हैं।

**एक्सेसरीज का सही उपयोग करें**

एक्सेसरीज आपके लुक को पूरा करने में अहम भूमिका निभाती हैं। सोने या चांदी की नहीं बल्कि सरल लेकिन स्टाइलिश एक्सेसरीज चुनें जैसे मोती का हार या चांदी का कंगन जो आपको महंगा दिखाएं बिना किसी बोझिलता के।

इन सरल टिप्स को अपनाकर आप न केवल हर मौके पर सबसे खूबसूरत दिखेंगी बल्कि आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और लोग आपकी तारीफ करते रहेंगे। याद रखें, सच्ची सुंदरता आत्मविश्वास में छिपी होती है!

# चमोली टनल हादसे में छत्तीसगढ़ के 4 मजदूरों की मौत, सीएम साय ने परिजनों को 5-5 लाख सहायता की घोषणा

रायपुर, (आरएनएस)। उत्तराखंड के चमोली जिले में 13 अगस्त को हुए दर्दनाक टनल हादसे में छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले के चार मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में कुल 10 श्रमिकों की जान गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक श्रमिकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। वहीं हादसे में घायल कोंडागांव जिले के दो श्रमिकों को इलाज के लिए 50-50 हजार रुपये की सहायता देने के निर्देश दिए गए हैं।

हादसे में कोंडागांव जिले के ग्राम धनसुली के दो, मदनार के एक और दहीकोंगा के एक श्रमिक की मृत्यु हुई है। वहीं जिले के दो अन्य श्रमिक घायल हुए हैं। दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर कोंडागांव लाए गए, जहां परिजनों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है। सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उत्तराखंड के चमोली जिले में निर्माणाधीन मायापुर-पीपलकोटी

टनल में 13 अगस्त की शाम करीब 6:30 बजे भारी भूस्खलन और पहाड़ी से पानी के रिसाव के कारण हादसा हुआ। इस दौरान टनल के अंदर काम कर रहे 22 श्रमिक फंस गए। सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। रेस्क्यू टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 12 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद टनल में फंसे अन्य श्रमिकों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया गया।हादसे के बाद जवानों ने करीब 117 घंटे तक लगातार बचाव अभियान चलाया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों, भूस्खलन और टनल के भीतर पानी के रिसाव के बावजूद बचाव दल ने अभियान जारी रखा। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पहले दिन चार श्रमिकों के शव बरामद किए गए। इसके बाद अगले दिन तीन और शव मिले। 15 अगस्त को एक तथा 16 अगस्त को दो शव बरामद किए गए। इस तरह हादसे में फंसे सभी 10 मृत श्रमिकों के शव बरामद कर लिए गए। बचाव अभियान के दौरान टनल के अंदर फंसी मशीनों को भी बाहर निकाला गया। लंबे और चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद अभियान पूरा किया गया।

## साइबर जागृति अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

रायपुर, (आरएनएस)। थाना टिकरापारा क्षेत्र के बोरियाखुर्द स्थित शासकीय हाई स्कूल में आज छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को साइबर अपराधों से बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना रहा।

थाना प्रभारी राजेश मरई के निर्देशन में प्रशिक्षु उप निरीक्षक नागेश्वर साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षक मुकेश वारे एवं वरिष्ठ आरक्षक भारतेंद्र साहू ने शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, संदिग्ध कॉल एवं डिजिटल फ्रॉड से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

पुलिस टीम ने साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। साथ ही विद्यार्थियों को अपने मोबाइल, सोशल मीडिया अकाउंट एवं ऑनलाइन लेन-देन की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने की समझाइश दी गई।

कार्यक्रम में थाना टिकरापारा से प्रधान आरक्षक रामनारायण पटेल एवं वरिष्ठ आरक्षक विमलेश मालेकर उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से प्राचार्य एस.के. साव ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता बताई।

पुलिस ने छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं आमजन से साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की अपील की।

## मुंगेली में 'साइबर जागृति अभियान' तेज, 1000 से अधिक विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा का पाठ

मुंगेली(आरएनएस)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में मुंगेली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'साइबर जागृति अभियान' के तहत जिले के दो शासकीय विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में करीब 1000 से अधिक विद्यार्थियों को साइबर अपराध, नशा मुक्ति, यातायात सुरक्षा और कानूनों की जानकारी दी गई।

अभियान के तहत 19 अगस्त को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दशरंगपुर तथा 20 अगस्त को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोना, थाना जरहागांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी दी।

विद्यार्थियों को समझाया गया कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें और पासवर्ड तथा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। फर्जी कॉल, सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति भी सतर्क रहने की अपील की गई।

**नशे से दूर रहने और यातायात नियमों का संदेश**

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही अपने परिवार और साथियों को भी नशे के खिलाफ जागरूक करने की अपील की गई।

यातायात एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, यातायात नियमों का पालन तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की समझाइश दी गई।

**पॉक्सो एक्ट और नए कानूनों की दी जानकारी**

पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट एवं नए आपराधिक कानूनों के संबंध में भी जानकारी दी। बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और किसी भी प्रकार की परेशानी अथवा अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया।

## घुमंतू मवेशियों को लेकर दो गुटों में विवाद, लाठी-डंडों से हमला; घायल ग्रामीण की मौत, 7 गिरफ्तार

बिलासपुर (आरएनएस.)। मस्तूरी थाना क्षेत्र के ग्राम रलिया में घुमंतू मवेशियों को लेकर हुआ विवाद हिंसक हो गया। दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान चार ग्रामीणों पर लाठी-डंडे और हाथ-मुक्कों से हमला किया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल जीवन मेहर की सिम्स अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मस्तूरी पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आज बुधवार को सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपित अभी फरार है। डीएसपी सुदीप सरकार के मुताबिक, 20 अगस्त 2026 की शाम ग्राम लिमतरा निवासी उमेश बरगाह, मुंडूल केंवट, जीवन मेहर सहित अन्य ग्रामीण धान की फसल की रखवाली कर रहे थे। इसी दौरान करीब 15 से 20 घुमंतू मवेशी फसल को नुकसान पहुंचाते मिले। ग्रामीणों ने मवेशियों को खेत से भगाया और ग्राम रलिया से आगे भारतमाला सड़क के किनारे छोड़कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 8:30 बजे रलिया भारतमाला रोड पुल के पास कुछ लोगों ने ग्रामीणों को रोक लिया।

## खस से बनी अनोखी राखियां, पानी की बूंद पड़ते ही बिखेरेंगी खुशबू

### बहनों के प्यार से महकेगी भाइयों की कलाई : वन मंत्री केदार कश्यप

रायपुर,(आरएनएस.)। खस की जड़ों से बनी अनोखी और पर्यावरण अनुकूल राखियां पानी की एक बूंद पड़ते ही अपनी प्राकृतिक और सोंधी खुशबू बिखेरने लगती हैं। ये राखियां पूरी तरह प्राकृतिक, हाथ से बनी और बायोडिग्रेडेबल (जैव-विघटनीय) होती हैं, जो त्वचा के लिए सुरक्षित और पर्यावरण के लिए फायदेमंद हैं। इस रक्षाबंधन भाइयों की कलाई पर बंधने वाली राखियां सिर्फ बहन के प्यार और स्नेह का प्रतीक नहीं होंगी, बल्कि अपनी खुशबू से एक अनोखा एहसास भी कराएंगी। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक औषधीय एवं सुगंधित पौधों से जुड़ी स्थानीय प्रतिभा और हुनर को बढ़ावा देते हुए खस से विशेष राखियों का निर्माण किया जा रहा है। इन राखियों की खासियत यह है कि पानी की बूंद पड़ने, नमी आने या गीली होने पर इनमें से मनमोहक खुशबू निकलती है। यानी अब भाइयों की कलाई महकेगी बहन के प्यार से। वन मंत्री केदार कश्यप की मंशानुरूप वन संपदा और पारंपरिक औषधीय पौधों से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं। इसी संवेदनशील पहल को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा खस जैसी सुगंधित वनस्पति के उपयोग से राखियों को नया स्वरूप दिया जा रहा है।बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम और उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला के मार्गदर्शन में अन्नपूर्णा महिला स्व सहायता समूह, नारी जिला धमतरी की 10 महिलाओं द्वारा 1000 तैयार की गई है। ये राखियां परंपरागत भावनाओं को आधुनिक सोच से जोड़ने का सुंदर उदाहरण हैं। इनमें छत्तीसगढ़ की वन संपदा, स्थानीय हुनर और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की खुशबू एक साथ महसूस की जा सकती है। खस से बनी इन राखियों की सबसे खास विशेषता उनकी प्राकृतिक खुशबू है। सामान्य राखियां जहां केवल कलाई की शोभा बढ़ाती हैं, वहीं ये विशेष राखियां नमी के संपर्क में आने पर अपनी सुगंध

बिखेरती हैं। बारिश के मौसम में या हाथ धोते समय पानी की बूंद पड़ने पर राखी से उठती खुशबू भाई को बहन के स्नेह का अनोखा एहसास कराएगी।

### राखी में रिश्तों की मिठास और छत्तीसगढ़ की मिट्टी की खुशबू

इस नवाचार के संदर्भ में वन मंत्री केदार कश्यप कहते हैं कि सचमुच ! इस रक्षाबंधन में बहनों का प्यार बांधेगा राखी, और महकेगी भाइयों की कलाई। इस बार जब बहन अपने भाई की कलाई पर खस से बनी यह राखी बांधेगी, तो उसके साथ सिर्फ एक धागा नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ा स्नेह भी बंधेगा। पानी की बूंद के साथ जब राखी महकेगी, तो भाई को बहन के प्यार और छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदा की खुशबू एक साथ महसूस होगी।

# खेल समाचार

## मैट रेनशॉ बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में करेंगे ओपनिंग, कप्तान पैट कमिंस ने की पुष्टि

नईदिल्ली, (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि कर दी है कि सलामी बल्लेबाज मैट रेनशॉ बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ शनिवार से मैके में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। डार्विन टेस्ट में बांग्लादेश से मिली 9 विकेट की करारी शिकस्त के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने जेक वेदरहल्ड को टीम से बाहर कर रेनशॉ को वापस बुलाया है। रेनशॉ इस मुकाबले में पारी की शुरुआत (ओपनिंग) करते नजर आएंगे।

पहले टेस्ट में वेदरल्ड के स्कोर 23 और 0 के रहे थे। इसके चलते रेनशॉ को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है।

यह रेनशॉ का 15वां और 2023 के बाद पहला टेस्ट होगा।

ब्रिसबेन में टीम के साथ प्रशिक्षण के बाद उन्हें इस सीरीज के लिए स्टैंडबाय पर रखा था।

2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले रेनशॉ अब तक 29.31 के औसत से 645 रन बना चुके हैं। इसमें एक शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं।

रेनशॉ का पिछला घरेलू सीजन काफी प्रभावशाली रहा था, उन्होंने शेफील्ड शील्ड में 3 शतकों के साथ 49.90 की औसत से रन बनाए थे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवर की क्रिकेट टीम में भी सफलतापूर्वक वापसी की है और इस साल की शुरुआत में मैट शॉर्ट की जगह टी-20 विश्व कप टीम में देर से शामिल हुए।

अब यह बाएं हाथ का बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी अपनी छाप छोड़ने का लक्ष्य रखेगा।

डेविड वार्नर के साल 2024 की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम में ओपनिंग पोजीशन लगातार अस्थिर रही है।

उस्मान ख्वाजा के अलावा, वॉर्नर के जाने के बाद से मैट रेनशॉ ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग करने वाले 7वें बल्लेबाज होंगे।

वह मैके टेस्ट में वे ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे, जो एशेज सीरीज की सफलता के बाद से लगातार ओपनर की भूमिका निभा रहे हैं।

## हेडिंग्ले टेस्टः अली उस्मान ने झटका पहला 5 विकेट हॉल, ये रिकॉर्ड किए अपने नाम

नईदिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर अली उस्मान ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ हेडिंग्ले में शुरू हुए सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए। यह उनके टेस्ट क्रिकेट करियर का पहला ही 5 विकेट हॉल रहा। हालांकि, उनकी इस शानदार गेंदबाजी के बाद भी इंग्लैंड की टीम मेहमान टीम के खिलाफ मजबूत बढ़त हासिल करने में सफल रही है। आइए उस्मान की गेंदबाजी और आंकड़े जानते हैं।

उस्मान ने इंग्लैंड को उसकी पहली पारी में 198 रन के कुल स्कोर पर जॉर्डन कॉक्स (73) के रूप में तीसरा झटका देते हु पारी में अपने विकेटों का खाता खोला।इसके बाद भी उनकी शानदार गेंदबाजी जारी रही और उन्होंने डेन लॉरेंस (51), हैरी ब्रूक (91), जेमी स्मिथ (16) और ओली रॉबिन्सन (0) को भी अपना शिकार बनाया। उस्मान पारी में अब तक 23 ओवर में एक मेडन के साथ 92 रन खर्च कर चुके हैं।

उस्मान हेडिंग्ले में टेस्ट में 5 विकेट हॉल लेने वाले पिछले 54 सालों में दुनिया के पहले मेहमान स्पिनर हैं। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के एशले मैलेट ने 1972 में यह कारनामा किया था।

इसी तरह उस्मान टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इंग्लैंड में 5 विकेट हॉल लेने वाले पाकिस्तान के पहले बाएं हाथ के स्पिनर बन गए हैं।

उस्मान साल 2016 में लॉर्ड्स में यासिर शाह (6/72) के प्रदर्शन के बाद 5 विकेट हॉल लेने वाले पहले पाकिस्तानी स्पिनर हैं।

## पुणे में मध्यप्रदेश के ट्रायथलॉन खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन राष्ट्रीय ITF ट्रायथलॉन चैंपियनशिप में 2 रजत समेत खिलाड़ियों ने जीते 4 पदक

भोपाल (आरएनएस)। पुणे, महाराष्ट्र में 12 से 16 अगस्त 2026 तक आयोजित अंडर-23 एवं सीनियर राष्ट्रीय ITF ट्रायथलॉन चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने पदक जीतने के साथ ही कई उत्कृष्ट स्थान हासिल किए।

**दुर्विशा और सरगम ने जीते रजत पदक**

अंडर-23 महिला वर्ग में मध्यप्रदेश की दुर्विशा पवार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वहीं ओपन एज महिला वर्ग में सरगम बाथरे ने दूसरा स्थान हासिल कर मध्यप्रदेश को एक और रजत पदक दिलाया। सीनियर महिला वर्ग में आध्या सिंह ने कड़े मुकाबले में चौथा स्थान प्राप्त किया और पदक से मामूली अंतर से चूक गईं।

पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर उतरे खिलाड़ियों ने भी छोड़ी छाप

मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के युवा खिलाड़ियों ने पुरुष वर्ग में भी प्रभावी प्रदर्शन किया। अमन प्रजापति ने छठा और जतेन अहिरवार ने सातवां स्थान हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों की यह पहली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता थी। पहली ही राष्ट्रीय स्पर्धा में उनका प्रदर्शन प्रदेश में उभरती ट्रायथलॉन प्रतिभाओं की मजबूत संभावनाओं को दर्शाता है।

**जूनियर और सब-जूनियर स्पर्धा में भी पदक**

पुणे में आयोजित जूनियर एवं सब-जूनियर ITF रैंकिंग चैंपियनशिप में भी मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने सफलता हासिल की। जूनियर वर्ग में कंक श्री धारिवाल ने स्वर्ण पदक, जबकि सब-जूनियर वर्ग में अश्मी कटारिया ने कांस्य पदक जीता।

**संचालक अंशुमान यादव ने खिलाड़ियों को दी बधाई**

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के खिलाड़ी आज खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के संचालक अंशुमान यादव से मिले। संचालक श्री यादव ने सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें इसी तरह निरंतर मेहनत और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। पुणे में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रदेश में ट्रायथलॉन खेल के निरंतर विस्तार और उभरती खेल प्रतिभाओं की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों द्वारा हासिल किए गए पदक और उत्कृष्ट स्थान उनकी मेहनत, अनुशासन एवं प्रशिक्षण का परिणाम हैं। मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के माध्यम से खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

## बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026: ट्रीसा-गायत्री ने रचा इतिहास, क्वार्टर फाइनल जीतकर पक्का किया पदक

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत की गैर-वरीयता प्राप्त युवा महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अपनी चमत्कारी फॉर्म जारी रखते हुए बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 में भारत का पहला पदक सुनिश्चित कर दिया है। इस जोड़ी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर एरिना में खेले गए क्वार्टर फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी जिया यिफान और झांग शुक्सियन को 16-21, 21-15, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ऐसे में अब उनका पदक जीतना पक्का है।

ट्रीसा और गायत्री की भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी के खिलाफ अपने 0-3 के रिकॉर्ड के बावजूद हार नहीं मानी और शानदार खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की।

चीनी जोड़ी ने पहला सेट 16-21 से अपने नाम कर ट्रीसा-गायत्री पर दबाव बनाया था।

हालांकि, भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में दमदार प्रदर्शन करते हुए 21-15 से जीत हासिल कर ली।

इसके बाद निर्णायक सेट में भारतीय जोड़ी ने विरोधियों को कोई मौका नहीं दिया और 21-13 जीत दर्ज कर ली।

भारतीय बैडमिंटन इतिहास में महिला युगल को हमेशा से एक कठिन श्रेणी माना जाता रहा है।

साल 2011 में जब ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, उसके बाद से कोई भी भारतीय महिला जोड़ी पदक के करीब भी नहीं पहुंच पाई थी।

# महिला डीपीएल में जीत के बाद तनीषा सिंह बोलीं- टीम पर दबाव नहीं, जिम्मेदारी थी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। गत चैंपियन साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने महिला दिल्ली प्रीमियर लीग-2026 (महिला डीपीएल) में शानदार शुरुआत करते हुए गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में सेंट्रल दिल्ली क्वींस को 29 रन से हरा दिया। टीम की जीत में तनीषा सिंह और निशिका सिंह की अर्धशतकीय पारियों ने अहम भूमिका निभाई। शुरुआती विकेट जल्दी गिरने के बाद तनीषा ने निशिका के साथ मिलकर पारी को संभाला और 82 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। तनीषा ने मैच के बाद कहा, मैं इसे दबाव नहीं, जिम्मेदारी के तौर पर देखती हूं। टीम ने मुझे स्पष्ट भूमिका दी थी कि क्रीज पर समय बिताना है, स्ट्राइक रोटेट करनी है और मौका मिलने पर बाउंड्री लगानी है। मुझे अपनी क्षमता पर भरोसा था और पता था कि अगर मैं क्रीज पर टिकी रही तो रन जरूर आएंगे।निशिका के साथ साझेदारी के दौरान अपनी रणनीति के बारे में तनीषा ने कहा कि दोनों बल्लेबाजों का लक्ष्य अधिक से अधिक समय क्रीज पर बिताना और लगातार एक-दो रन लेकर गेंदबाजों पर दबाव बनाना था। उन्होंने कहा, निशिका और मैं लगातार बात कर रहे थे कि क्रीज पर ज्यादा समय बिताना है और सिंगल लेते रहना है। सिंगल गेंदबाज पर अलग तरह का दबाव बनाता है और इससे उसे खराब गेंद डालने के लिए मजबूर होना पड़ता है। ओवर में अगर हमें एक बाउंड्री मिल जाती थी तो हम उसका फायदा उठाकर बड़ा ओवर बनाने की कोशिश करते थे। शानदार जीत के बावजूद तनीषा ने टीम की गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार की जरूरत स्वीकार की। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अच्छी रही, लेकिन गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में टीम कुछ कमजोर रही, जिसके कारण विपक्षी टीम 127 रन तक पहुंचने में सफल रही। उन्होंने कहा कि इस पिच पर गेंद को ज्यादा फ्लाइट देने के बजाय थोड़ा सपाट गेंदबाजी करना अधिक प्रभावी हो सकता था। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 156 रन बनाए। निशिका सिंह और तनीषा सिंह ने अर्धशतक लगाए। सेंट्रल दिल्ली क्वींस की ओर से सुमिति सोनी ने 2/13 और मेधावी बिधूड़ी ने 2/24 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली क्वींस की शुरुआत खराब रही और टीम 31 रन पर तीन विकेट गंवा बैठी। निधि महतो ने 55 गेंदों पर 63 रन और मोनिका ने 30 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 127 रन ही बना सकी। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से मयूरी सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 15 रन देकर दो विकेट लिए और टीम को 29 रन की जीत दिलाई।

# रंगों की दुनिया में खिले नन्हे चेहरे स्प्रिंगडेल्स स्कूल में सजा कलर वीक

## नन्हें चेहरों पर खिलखिलाती मुस्कान रंग-बिरंगी वेशभूषा और हर ओर बिखरी खुशियों की छटा

### खेल-खेल में नन्हे-मुन्नों ने सीखे रंगों के अनोखे संसार के रंग

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल के प्री.प्राइमरी विंग में 18 से 21 अगस्त 2026 तक आयोजित कलर वीक ने विद्यालय परिसर को रंगों और उमंगों से सराबोर कर दिया। नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों ने खेल.खेल में रंगों की दुनिया को जाना समझा और अपनी रचनात्मकता के रंगों से उसे और भी खूबसूरत बना दिया।कलर वीक के दौरान विद्यालय परिसर गुलाबी आकाशी नीले पीले नारंगी लाल और हरे रंगों की मनमोहक छटा से सजा नजर आया। बच्चे अपने निर्धारित रंग की आकर्षक वेशभूषा पहनकर विद्यालय पहुँचे और रंगों से संबंधित सुंदर प्रॉप्स के साथ गतिविधियों में उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रंग-बिरंगे गुब्बारों चार्ट्स और आकर्षक सजावट ने पूरे वातावरण को जीवंत और उल्लासपूर्ण बना दिया।यूकेजी के विद्यार्थियों ने गुलाबी और आकाशी नीले रंग को केंद्र में रखकर विशेष प्रार्थना सभा का संचालन किया। नन्हे बच्चों ने रंगों से संबंधित सुंदर कविताएँ प्रस्तुत कीं तथा छोटे-छोटे भाषणों के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति क्षमता और आत्मविश्वास का शानदार परिचय दिया। उनकी मासूम और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। एलकेजी के बच्चों ने पीले और नारंगी रंगों के साथ विभिन्न रोचक एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। बैलून रेल गतिविधि बच्चों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। रंग.बिरंगे गुब्बारों के साथ खेलते हुए बच्चों ने आनंद के साथ.साथ टीम भावना सहयोग और आपसी समन्वय का भी परिचय दिया।वहीं नर्सरी के नन्हे.मुन्नों ने लाल और हरे रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। ग्रीन ट्री पर एप्पल लगाना कुर्सी दौड़ और वाटरमेलन पेस्टिंग जैसी गतिविधियों में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने फलों एवं सब्जियों की पहचान करने के साथ.साथ रंगों को भी सहज और मनोरंजक ढंग से समझा। कलर वीक की सबसे खास बात यह रही कि बच्चों ने प्रत्येक गतिविधि को केवल एक कार्य के रूप में नहीं बल्कि पूरे उत्साह और आनंद के साथ जिया। कहीं नन्हे कदम रंगों की कविताओं के साथ थिरक रहे थे कहीं रंग-बिरंगे गुब्बारों के साथ खुशियाँ उड़ान भर रही थीं तो कहीं नन्हे हाथ अपनी कलाकृतियों में कल्पनाओं के सुंदर रंग भर रहे थे। पूरा सप्ताह बच्चों के लिए सीखने खेलने रचनात्मकता दिखाने और आत्मविश्वास के साथ स्वयं को अभिव्यक्त करने का एक यादगार अनुभव बन गया।डायरेक्टर डॉ आशीष चटर्जी ने कहा कि कलर वीक जैसी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रंगों की पहचान के साथ.साथ ऐसी गतिविधियों से बच्चों की रचनात्मकता आत्मविश्वास सहभागिता सहयोग और सामाजिक कौशल का विकास होता है।

खेल-खेल में सीखने की यह प्रक्रिया शिक्षा को बच्चों के लिए अधिक आनंददायक और प्रभावी बनाती है। कार्यक्रम को सफल एवं आकर्षक बनाने में दीप्ति पलिया प्रियंका यादव मंगला केवट अमिता यदुवंशी एवं रेखा कुमारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्राचार्य मोना चटर्जी ने सभी शिक्षकों एवं नन्हे प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

## नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा आज

***दोपहर 2 बजे से विवेकानंद घाट से होगी शुरू नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने शामिल होने की अपील की***

नर्मदापुरम (निप्र)। नमामि देवी नर्मदे संस्कार कांवड़ यात्रा आज दोपहर 2 बजे से विवेकानंद घाट से निकाली जाएगी। जो कि काले महादेव मंदिर तक जाएंगी। जहां भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरों पर चल रही है। कांवड़ यात्रा में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा नागरिकों से शामिल होने की अपील की है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने श्रद्धालुगणों से आग्रह किया है कि नमामि देवी नर्मदे संस्कार कावड़ यात्रा दादा गुरू के सानिध्य में निकाली जा रही है। इस यात्रा का उद्देश्य मां नर्मदा के जल को प्रदूषण मुक्त रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौध रोपण किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि इस कांवड़ यात्रा में सभी श्रद्धालुगण सादर आमंत्रित हैं।

## डीईओ कार्यालय में सविनय कार्य अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। कार्यालय लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल में अभिषेक सिंह आयुक्त लोक शिक्षण एवं कार्यालय में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों से धरना प्रदर्शन कर रहे समूह द्वारा अभद्रता अशिष्ठता एवं हिंसा का प्रयास किया जिससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों में भारी असंतोष एवं शासकीय कार्यों में पूर्ण प्रावधान का वातावरण निर्मित हुआ।उक्त हृदय को द्रवित करने वाली घटना से ही जहां शासकीय कार्य में व्यवधान निर्मित हुआ है वहीं लोक सेवक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं परिणाम स्वरूप लोक सेवाओं के द्वारा एक सभा आयोजित कर घटना हेतु तीव्र आक्रोश व्यक्त एवं घटना की निंदा करते हुए लोक सेवकों की कड़ी सुरक्षा हेतु स्कूल शिक्षा विभाग के समस्त संगठनो के द्वारा प्रांतीय आवाहन पर 21अगस्त से मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी एवं अन्य कार्यालयों में सविनय कार्य अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ कर आंदोलनकर्ताओं दोषियों के खिलाफ नियमों के प्रकाश में कानूनी कार्यवाही किए जाने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय नर्मदापुरम के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों ने कलम बंद हड़ताल कर धरना प्रदर्शन किया।

## नमामि देवी नर्मदे संस्कार कावड़ यात्रा को लेकर बैठक हुई

नर्मदापुरम (निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम में नमामि देवी नर्मदे संस्कार कावड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में यात्रा से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। ज्ञातव्य है कि दादा गुरु एवं पंडित सोमेश परसाई के सानिध्य में मां नर्मदा को निर्मल एवं अविरल बनाए रखने के पवित्र उद्देश्य से नर्मदा भक्तों संत समाज एवं विभिन्न नर्मदा सेवी संगठनों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं इन्ही उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुये एवं मां नर्मदा के ऐतिहासिक वैभव को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से यह कावड़ यात्रा आयोजित की जा रही है। कावड़ यात्रा का आयोजन मां नर्मदा परमार्थ समाज सेवा संस्थाएं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम एवं जनपद पंचायत नर्मदापुरम के सहयोग से किया जा रहा है। यात्रा के दौरान विवेकानंद घाट पर मंचीय कार्यक्रम आयोजित होगा और यहीं से कावड़ यात्रा प्रारंभ की जाएगी। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए सेठानी घाट स्थित काले महादेव मंदिर पहुंचेगी जहां मां नर्मदा के जल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया जाएगा। बैठक में तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक कौशलैश तिवारी हंसराय अनुराग तिवारी प्रकाश शिवहरे नरेंद्र पटेल रेखा यादव प्रभारी सुनील गोरे एवं गजेन्द्र राजपूत सहित अन्य समाजसेवी एवं जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## सोहागपुर विधायक ने लोकतीर्थ नाम से शुरु किया कार्यालय

### नए कार्यालय में 9 बजे से 3 बजे तक लोगों से करेंगे जनसुनवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि उनकी लाज में भी जनसुनवाई से संबंधित कार्यालय संचालित हो रहा था। अब उन्होंने नया कार्यालय विवेकानंद घाट के सामने लोकतीर्थ नाम से शुरू कर दिया है। जहां पर वे सोमवार मंगलवार छोड़कर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक लोगों से मुलाकात करेंगे। जनसुनवाई होगी। उन्होंने बताया कि यहां पर जनता से सीधे संवाद की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधायक प्रतिदिन 9-10 बजे से आमजन की समस्याएं सुनेंगे और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

### गुरूवार से शुरू हो गया है लोकतीर्थ

नया कार्यालय लोकतीर्थ का शुभारंभ आचार्य पं सोमेश परसाई के द्वारा किया गया। इस मौके पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीतासरन शर्मा राज्यसभा सांसद माया नारोलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जब उनसे नए कार्यालय के उद्देश्य के बारे में पूछा गया तो उन्होने कहा कि ऐसा कोई विशेष उद्देश्य नहीं है। वहां मेरी लाज से कार्यालय चल रहा था अब यहां से शुरू कर रहे है। दूसरा प्रश्न जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी ने कोई ईशारा किया है तो उन्होने नकारते हुए कहा कि नहीं। मेरी स्वयं की इच्छा मां नर्मदा की कृपा से यह कार्यालय शुरू किया गया है। यहां पर कंप्यूटर व अन्य व्यवस्थाएं शुरू की गई हैं।

## भुगन इंफ्राकन कंपनी के मैनेजर पर सीएमओ ने कराई एफआईआर

### लापरवाहीपूर्वक कार्य करते हुए तोड़ दी थी पाइप लाइन नगर में पेयजल सप्लाई हुई बाधित नागरिक हुए परेशान

### दो दिन से हजारों लोग हुए परेशान, नागरिक कर रहे कड़ी कार्रवाई की मांग

नर्मदापुरम (निप्र)। मीनाक्षी चौक स्थित पेयजल पाइप लाइन क्षतिग्रस्त करने पर सीवरेज पाइप लाइन बिछाने का कार्य कर रही भुगन इंफ्राकन कंपनी के मैनेजर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा सिटी कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। कंपनी द्वारा लापरवाहीपूर्वक कार्य करते हुए पेयजल पाइप लाइन क्षतिग्रस्त दी गई थी। पेयजल शाखा के सुपरवाईजर नीतेश व्यास ने बताया कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देश पर सिटी कोतवाली में आवेदन दिया गया था। श्री व्यास ने बताया कि बुधवार की रात में भुगन इंफ्राकन कंपनी के मैनेजर नरेंद्र सिंह द्वारा नर्मदापुरम में लापरवाहीपूर्वक सीवरेज का कार्य करते हुए जल प्रदाय की पाइप लाइन तोड़कर न्यूसेंस का वातावरण उत्पन्न हुआ। साथ ही भारी मात्रा में सड़क पर पानी बहाया गया था। प्रोजेक्ट मैनेजर नरेंद्र सिंह द्वारा नपा में सूचना भी नहीं दी गई। जिससे नगर के अनेक क्षेत्रों में पेयजल सप्लाई बाधित हुई और नागरिक परेशान हुए। इस संबंध में सिटी कोतवाली में आवेदन दिया गया था।

### नागरिक कर रहे कड़ी कार्रवाई की मांग

शहर के नागरिक मांग कर रहे हैं कि बीते दो दिन से मीनाक्षी क्षेत्र से यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बार बार जाम लग रहा है। इसी के साथ पेयजल की परेशानी भी लोगों ने उठाई है। इस तरह की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई होना चाहिए।

## पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्रवेश 14 सितंबर 2026 तक

नर्मदापुरम (निप्र) । शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पीसी नरवरे ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026.27 हेतु विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। संचालनालय तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश द्वारा निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत इच्छुक विद्यार्थी 14 सितंबर 2026 तक प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।महाविद्यालय में निम्नलिखित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु रिक्त सीटें उपलब्ध है सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंगमॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट।उक्त सभी पाठ्यक्रम तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम हैं। प्रवेश हेतु निर्धारित शैक्षणिक योग्यता पूर्ण करने वाले विद्यार्थी नियमानुसार आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया में उपलब्ध रिक्त सीटों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रदान किया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया इच्छुक अभ्यर्थी एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन आवेदन कर सकते हैं। पंजीयन के उपरांत अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार महाविद्यालय में उपस्थित होकर उपलब्ध रिक्त सीट पर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश के समय अभ्यर्थी को अपने मूल दस्तावेज एवं आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रतियां साथ लाना अनिवार्य होगा। महाविद्यालय में प्रवेश एवं सीट आवंटन संचालनालय तकनीकी शिक्षा मध्यप्रदेश द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रवेश प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। प्रवेश पूर्णत: उपलब्ध रिक्त सीटों एवं पात्रता के आधार पर होगा।

### क्यों चुनें शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय में अनुभवी संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रायोगिक एवं औद्योगिक उपयोगी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है। डिप्लोमा पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी शासकीय एवं निजी क्षेत्र में रोजगारए स्वरोजगार तथा उच्च तकनीकी शिक्षा के लिए आगे अध्ययन के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। पात्र विद्यार्थियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति एवं विद्यार्थी कल्याण योजनाओं का लाभ नियमानुसार प्राप्त होता है।

### 'अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से अपील'

महाविद्यालय प्राचार्य प्राचार्य डॉ पीसी नरवरे ने क्षेत्र के समस्त पात्र विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की गई है कि वे प्रवेश की अंतिम तिथि 14 सितंबर 2026 का इंतजार न करते हुए यथाशीघ्र पंजीयन एवं प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें तथा उपलब्ध रिक्त सीटों में प्रवेश प्राप्त कर उज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं। इच्छुक अभ्यर्थी 14 सितंबर 2026 तक प्रत्येक सोमवार बुधवार एवं शुक्रवार को महाविद्यालय में उपस्थित होकर रिक्त सीटों पर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया प्रत्येक सोमवार बुधवार एवं शुक्रवार को प्रात: 10,30 बजे से सायं 6,30 बजे तक जारी रहेगी। सीमित सीटों के कारण प्रवेश मेरिट एवं उपलब्ध सीटों के आधार पर प्रदान किया जाएगा।

## फ्री स्टाइल कुस्ती प्रतियोगिता में रायपुर शाला के विद्यार्थियों राज्य स्तर के लिए चयन

### विद्यालय के प्राचार्य और स्टाफ ने विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

नर्मदापुरम(निप्र) । फ्री स्टाइल कुस्ती प्रतियोगिता में नर्मदापुरम् सम्भाग की ओर से शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला रायपुर के छात्रों का चयन राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। अब ये विद्यार्थी सीहोर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में नर्मदापुरम् संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। जिन विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है उनमें रायपुर के नितिन पासी, नीलेश कहार, तरुण पासी, एवं सुमित पासी शामिल हैं। विद्यालय के प्राचार्य बी पी पठारिया एवं स्कूल के स्टाफ ने खुशी जाहिर करते हुए सभी चयनित हुए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

## सफलता की कहानी

# 10 मधुमक्खी बक्सों से शुरु हुआ सफर

### नर्मदापुरम में खड़ी की हनी प्रोसेसिंग यूनिट इटारसी के युवा उद्यमी मृत्युंजय रॉय की मधुमक्खी पालन से हनी प्रोसेसिंग यूनिट तक की कहानी

नर्मदापुरम। इटारसी (निप्र)। आत्मनिर्भर बनने के सपने के साथ इटारसी के युवा उद्यमी मृत्युंजय रॉय ने वर्ष 2020 में महज 10 मधुमक्खी बक्सों से मधुमक्खी पालन की शुरुआत की। खेतों और मधुमक्खियों के बीच शुरू हुआ यह छोटा सा प्रयास आज मधुभूमि नेचुरल प्रोडेक्ट के रूप में आगे बढ़ रहा है। मधुमक्खी पालन के दौरान शहद की गुणवत्ता उत्पादन और बाजार की जरूरतों को करीब से समझने के बाद मृत्युंजय ने अपने शहद को एक पहचान देने का निर्णय लिया। हॉर्टिकल्चर विभाग नर्मदापुरम के सहयोग और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना से इटारसी में नर्मदापुरम जिले की पहलीहनी प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की गई। इस यूनिट का उद्देश्य बेहतर तरीके से शहद की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग कर लोगों तक गुणवत्तापूर्ण शहद पहुंचाना है। आज मधुभमि में 20 ग्राम से लेकर 1 किलोग्राम तक के पैक उपलब्ध हैं। इसके साथ ही ब्रांड द्वारा धीरे-धीरे अन्य प्राकृतिक खाद्य उत्पादों को भी लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। मृत्युंजय कहते हैं हमारी कोशिश सिर्फ शहद बेचने की नहीं है। हम चाहते हैं कि प्रकृति से मिलने वाले उत्पाद सही गुणवत्ता और भरोसे के साथ लोगों तक पहुंचें। छोटे स्तर से शुरू हुई यह यात्रा आज स्थानीय उद्यमिता आत्मनिर्भर भारत और प्राकृतिक उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उनका लक्ष्य नर्मदापुरम से अपनी पहचान बनाते हुए प्राकृतिक उत्पादों को देशभर के लोगों तक पहुंचाना है।

## कार्यालय नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम (म.प्र.)

Email-cmohoshangabad@mpurvan.gov.in

पत्र क्र./5310/न.पा./2026 नर्मदापुरम, दिनांक 20/08/2026

### ।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

एतद् द्वारा निम्न वर्णित निर्माण कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत नवीन पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. के दिनांक 10/05/2012 (02/08/2021 के संशोधन से प्रभावशील) आईएसएसआर पर प्रतिशत के आधार पर फार्म ए में सीलबंद निविदा दिनांक 10/09/2026 दोपहर 03.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है जो उसी दिनांक को दोपहर 3.30 बजे उपस्थित संस्था/कंसल्टेंट/ठेकेदार अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोले जावेंगे।

| क्र. | कार्य का विवरण | मद/निधि | कार्य की अनुमानित लागत | अमानत राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य | समयावधि | नवीन पंजीयन अनुसार श्रेणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नगर नर्मदापुरम के वार्ड क्रमांक 15 हाउसिंगबोर्ड कालोनी इंडस्ट्रीयल एरिया में अग्रवाल पीवीसी के सामने टयूबवेल उत्खनन् कार्य। | सांसद निधि (राज्यसभा) | 168978/- | 3500/- | 1000/- | 01 माह | सेन्ट्रलाइज्ड पी. डब्ल्यू.डी.रजिस्ट्रेशन |

शर्तें :- 1. निविदा से संबंधित समस्त जानकारी कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र कार्यालयीन समय में एक दिवस पूर्व तक कार्यालय से प्राप्त किया जा सकते है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
नर्मदापुरम्

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com